www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 पीएम मोदी की चीन यात्रा, अविश्वास की खाई होगी कम?

ट्रम्प के सलाहकार बोले- भारत टैरिफ महाराजा 06

वर्ष :17 | अंक :128 | प्रयागराज , शुक्रवार ,08 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बढ़ा बाढ़ का खतरा, खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना नदी

चालू मानसून सीजन और लगातार बारिश के बीच, दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर गुरुवार सुबह 7 बजे 204.79 मीटर तक बढ़ गया, जो 204.50 मीटर के चेतावनी निशान को पार कर गया और इस मौसम के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जलस्तर में यह वृद्धि चालू मानसून सीजन के दौरान लगातार बारिश के बीच हुई है, जिसके कारण देश के कई हिस्सों में बाढ़ और जलभराव हो गया है। लगातार बारिश ने नदियों के जलस्तर को खतरे के निशान के करीब या उससे ऊपर पहुंचा दिया है।सुबह 8 बजे, पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर 204.88 मीटर था, जो नदी के प्रवाह और बाढ़ के खतरे की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है।दिल्ली में, यमुना का चेतावनी स्तर 204.5 मीटर है, खतरे का निशान 205.3 मीटर है, और नदी का जलस्तर 206 मीटर तक पहुँचते ही निकासी के प्रयास शुरू हो जाते हैं। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि जलस्तर में वृद्धि मुख्यतः हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण हुई है।

बाढ़ से बंद हुए रास्ते, नाव पर सवार होकर बिहार से बलिया पहुंची बारात

पिछले काफी समय से हो रही लगातार बारिश ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पहाड़ों पर जहां बादल फट रहे हैं वहीं दूसरी ओर मैदानी इलाकों में नदियां उफान पर है। कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति है।ऐसे में एक चौंका देने वाली घटना सामने आयी है।उत्तर प्रदेश के बलिया में गंगा नदी में आयी बाढ़ से सड़क मार्ग बंद हो जाने के कारण बिहार से एक बारात नाव पर सवार होकर बलिया पहुंची। नाव पर सवार बारातियों को नदी की मौजों से बेखबर पूरे उत्साह से तालियां बजाते हुए मंजिल की तरफ बढ़ने का यह नजारा ग्रामीणों के लिये कौतूहल भरा रहा।यह पूरा मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। बिहार के बक्सर जिला के नैनीजोर लाल डेरा गांव के रहने वाले कमलेश राम के बेटे राजेश कुमार की शादी बलिया के बेयासी गांव में तय हुई थी।शादी की तैयारियों के बीच बक्सर जिला भारी बारिश के कारण गंगा नदी की बाढ़ की चपेट में आ गया। बाढ़ की वजह से सारे रास्ते जलमग्न होकर बंद हो गए।सड़क मार्ग के पूरी तरह जलमग्न हो जाने से बारात लेकर जाना मुश्किल हो गया। कमलेश राम ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को बताया कि बाढ़ के कारण शादी पर ग्रहण लग गया।ऐसी विषम स्थिति में परिवार ने नाव से बारात ले जाने का फैसला किया।

राहुल का आरोप- ईसी ने बीजेपी के साथ चुनाव चुराया

स्क्रीन पर वोटर लिस्ट दिखाकर दावा- महाराष्ट्र में 40 लाख संदिग्ध नाम, कर्नाटक में भी फर्जीवाड़ा

आरोप

▸▸राहुल के आरोपों पर कर्नाटक चुनाव आयोग ने शपथ पत्र मांगा है। कहा कि वे लिखित में शिकायत करें ताकि आगे की कार्यवाही की जा सके।

एजेंसी

बड़ा आपराधिक घोटाला कर रहे चुनाव आयोग और भाजपा: राहुल

उन्होंने कहा कि हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं क्योंकि हम पैटर्न देख रहे हैं. हमने पैटर्न का अध्ययन किया है. हम पूरा विश्वास है कि यह अपराध पूरे देश में, एक के बाद एक राज्यों में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है. हमारे लिए सीसीटीवी फुटेज और मतदाता सूची अब अपराध का सबूत है और चुनाव आयोग इसे नष्ट करने में लगा हुआ है. इसलिए मैं देश को बताना चाहता हूं कि इस देश में एक बहुत बड़ा आपराधिक घोटाला किया जा रहा है. यह चुनाव आयोग और सत्ताधारी पार्टी द्वारा किया जा रहा है. हमने आपको यहां बिल्कुल स्पष्ट और निर्विवाद सबूत दिए हैं.

नई दिल्ली , राहुल गांधी ने प्रजेंटेशन के दौरान स्क्रीन पर लिखा- वोट हैज बीन डेस्ट्रॉयड; स्क्रीन के बायीं ओर तीनों चुनाव आयुक्त और दायीं और मोदी-शाह की तस्वीरें लगी हुई थीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को वोटर लिस्ट में गड़बड़ पर 1 घंटे 11 मिनट तक 22 पेज का प्रजेंटेशन दिया। राहुल ने स्क्रीन पर कर्नाटक की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि वोटर लिस्ट में संदिग्ध वोटर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के नतीजे देखने के बाद हमारा शक पुख्ता हुआ कि चुनाव में चोरी हुई है। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट नहीं देने से हमें भरोसा हुआ कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र के चुनाव की चोरी की है। राहुल ने कहा कि हमने यहां वोट चोरी का एक मॉडल पेश किया, मुझे लगता है कि इसी मॉडल का प्रयोग देश की कई लोकसभाओं और विधानसभाओं में हुआ।

भाजपा सत्ता-विरोधी लहर से प्रभावित नहीं...

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सत्ता-विरोधी लहर एक ऐसी चीज है जो हर लोकतंत्र में हर पार्टी को प्रभावित करती है. लेकिन किसी कारण से, भाजपा लोकतांत्रिक ढांचे में एकमात्र ऐसी पार्टी है जो मूल रूप से सत्ता-विरोधी लहर से ग्रस्त नहीं है. एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल एक बात कहते हैं, जैसा आपने हरियाणा चुनाव में देखा, आपने मध्य प्रदेश चुनाव में देखा, और फिर अचानक परिणाम बड़े पैमाने पर बदलाव के साथ पूरी तरह से अलग दिशा में चले जाते हैं.

शुरूआत कर्नाटक से की, महादेवपुरा सीट पर 1 लाख वोट चोरी

कर्नाटक की महादेवपुरा असेंबली सीट की वोटर लिस्ट स्क्रीन पर दिखाते हुए राहुल ने कहा कि यहां के 6.5 लाख वोट में से 1 लाख वोटों की चोरी हुई है।

ट्रंप के टैरिफ पर पीएम मोदी बोले- मुझे चुकानी होगी बड़ी कीमत और मैं इसके लिए तैयार हूं

भारत अपने किसानों, पशुपालकों, मछुआरों के हित के साथ कभी समझौता नहीं करेगा : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन की जन्मशती पर वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों के हितों से समझौता नहीं करेंगे.

एजेंसी

श्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत विकसित राष्ट्र बनने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह लक्ष्य समाज के हर वर्ग और हर पेशे के योगदान से हासिल किया जाएगा।प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. एमएस स्वामीनाथन से प्रेरणा लेते हुए भारत के वैज्ञानिकों के पास अब इतिहास रचने का एक और अवसर है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों की पिछली पीढ़ी ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की और इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान ध्यान पोषण सुरक्षा पर केंद्रित होना चाहिए।जन स्वास्थ्य में सुधार के लिए जैव-अनुकूल और पोषण-समृद्ध फसलों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए, श्री मोदी ने कृषि में रसायनों के उपयोग को कम करने समर्थन किया।

नई दिल्ली: पीएम मोदी ने आज कहा कि देश किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा. उन्होंने कहा कि वह इसके लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं. पीएम मोदी ने कहा, 'मेरा व्यक्तिगत तौर पर मानना है कि मुझे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी और मैं इसके लिए तैयार हूं.' वह दिवंगत प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. उनकी यह टिप्पणी अमेरिका द्वारा कृषि उत्पादों सहित भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की घोषणा की पृष्ठभूमि में आई है.

राज्यसभा में हंगामे की भेंट चढ़े शून्यकाल और प्रश्नकाल

सोनिया, खरगे और कई अन्य विपक्षी नेताओं ने एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन किया

एजेंसी

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया।

विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए दिए गए नोटिस आसन द्वारा खारिज किए जाने के विरोध में विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को राज्यसभा की बैठक शुरू होने के दस मिनट बाद ही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई। हंगामे की वजह से सदन में आज भी शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने बताया कि विभिन्न मुद्दों पर नियत कामकाज स्थगित कर चर्चा करने के लिए उन्हें नियम 267 के तहत 25 नोटिस मिले हैं। उपसभापति ने बताया कि ये नोटिस पूर्व में दी गई व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाए गए अतः इन्हें खारिज कर दिया गया है। इस पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार के निकट हुए इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी, द्रमुक, राष्ट्रीय जनता दल और अन्य दलों के सांसद शामिल हुए।

विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर डिस्कशन, नॉट डिलीशन (चर्चा करो, नाम नहीं हटाओ) लिखा हुआ था। विपक्षी सांसदों ने मोदी सरकार शर्म करो, शर्म करो और एसएआईआर वापस लो के नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन से पहले विपक्षी नेताओं ने संसद भवन परिसर में बैठक की, जिसमें संसद के मानसून सत्र में आगे की रणनीति पर चर्चा की गई।

ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है: नड्डा

एजेंसी

नड्डा ने कहा कि उन्होंने अधिकारी से बात की और स्थिति का जायजा लिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, अगर पश्चिम बंगाल में विपक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की दुर्दशा की केवल कल्पना ही की जा सकती है।

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर राज्य पुलिस की मौजूदगी में हुए हमले के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बृहस्पतिवार को आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह घटना राज्य में उनकी सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने को दर्शाती है। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अराजकता और राजनीतिक हिंसा की इस संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ममता बनर्जी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर निकाली गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली पर कुछ लोगों ने बुधवार को कथित रूप से पथराव किया और काले झंडे दिखाए। भाजपा ने इस घटना के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। नड्डा ने कहा, मैं पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार में तृणमूल के गुंडों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि यह हमला राज्य पुलिस की मौजूदगी में हुआ जो ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने की बात को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव 09 अगस्त, 2024-09 अगस्त, 2025

काकोरी ट्रेन एक्शन
शताब्दी महोत्सव

समापन समारोह एवं वीरों को नमन

मुख्य अतिथि
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

जयवीर सिंह, मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश
सुषमा खर्कवाल, महापौर, लखनऊ
डॉ. दिनेश शर्मा, सदस्य, राज्यसभा
डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, सदस्य, राज्यसभा
बृजलाल, सदस्य, राज्यसभा
संजय सेठ, सदस्य, राज्यसभा
डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह, सदस्य, विधान परिषद
मुकेश शर्मा, सदस्य, विधान परिषद
राम चन्द्र सिंह प्रधान, सदस्य, विधान परिषद
डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल, सदस्य, विधान परिषद
उमेश द्विवेदी, सदस्य, विधान परिषद
इंजी. अवनीश कुमार सिंह, सदस्य, विधान परिषद
डॉ. नीरज बोरा, विधायक, लखनऊ उत्तर
डॉ. राजेश्वर सिंह, विधायक, सरोजनी नगर
योगेश शुक्ल, विधायक, बक्शी का तालाब
जय देवी, विधायक, मलिहाबाद
अमरेश कुमार, विधायक, मोहनलालगंज
ओ.पी. श्रीवास्तव, विधायक, लखनऊ पूर्व

दिनांक : 8 अगस्त, 2025 | समय : प्रात: 10:00 बजे | स्थान : काकोरी शहीद स्मारक, लखनऊ

प्रमुख आयोजन

• शहीद स्मारकों/स्मृति स्थलों/अमृत सरोवरों/अमृत वाटिकाओं पर राष्ट्रभक्ति पूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन एवं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण • शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी • काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना एवं काकोरी के नायकों पर आधारित भाषण, निबंध लेखन, सुलेख लेखन व वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण • शहीद स्थलों/स्मारकों पर राष्ट्र धुन एवं देशभक्तिपूर्ण गीतों की प्रस्तुति • अर्द्ध सैनिक एवं सैन्य बलों/पुलिस/पी.ए.सी./होमगार्ड/ स्काउट गाइड/एन.सी.सी./विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/ माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के बैंड द्वारा राष्ट्र धुन पर आधारित वादन • स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों यथा काकोरी (लखनऊ), शाहजहांपुर, बलिया, गोरखपुर, फिरोजाबाद, अयोध्या, मैनपुरी, वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, कानपुर, झांसी, बरेली, सहारनपुर व गोण्डा में स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों के परिजन का सम्मान समारोह

लाइव प्रसारण
DD NEWS व Youtube.com/DDNEWS
Youtube.com/ddduttarpradesh
UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

सम्पादकीय

आपदाओं से जूझता उत्तराखंड, मौसम के पूर्वानुमान की प्रणाली भी सुदृढ़ बनाई जानी चाहिए

उच्च हिमालयी क्षेत्र में धराली जैसी घटनाओं का गहन अध्ययन जरूरी है। चूंकि आपदाओं में नदी के निकट निर्माण को सबसे अधिक नुकसान होता है। इसलिए सीढ़ीदार खेतों और नदी तलों में निर्माण से बचा जाना चाहिए। पहाड़ों पर मौसम के पूर्वानुमान की प्रणाली सुदृढ़ बनाई जानी चाहिए। इससे वर्षा पैटर्न में होने वाले परिवर्तनों को अधिक प्रभावी ढंग से समझने में मदद मिलेगी। उत्तरकाशी जिले के धराली में भीषण बाढ़ आने से खीरगंगा नदी उफान पर आ गई और पहाड़ी इलाकों में टनों मलबा नदी किनारे आ गया। इससे व्यापक जनधन हानि हुई। अभी इसका आकलन करना कठिन है कि यह हानि कितनी बड़ी है। यह ध्यान रहे कि 5 अगस्त को ही कुछ और स्थानों पर बादल फटने से तबाही हुई। इनमें पर्यटन स्थल हर्षिल भी है। तबाही इसलिए ज्यादा हुई, क्योंकि नियम-कानूनों की अनदेखी कर तमाम निर्माण कर लिए गए थे। धराली में सड़कें, इमारतें और दुकानें डूब गईं। हिमालय, टेक्टोनिक रूप से सक्रिय दुनिया की सबसे युवा और सबसे नाजुक पर्वत प्रणाली है। यह क्षेत्र उच्च ढाल और अनिश्चित मौसम के कारण कई उच्च पर्वतीय खतरों से ग्रस्त है। भूकंप और अचानक बाढ़, चट्टान गिरने सहित विभिन्न प्रकार के भूस्खलन, मलबा प्रवाह और हिमनद झील विस्फोट बाढ़ जैसी प्रक्रियाएं हिमालय में सबसे आम खतरे हैं। इनसे मानव जीवन और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान होता है ।मानसून (जून से सितंबर) के दौरान अत्यधिक वर्षा के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं आमतौर पर होती रहती हैं। अध्ययनों के अनुसार, हाल के दशकों में हिमालय में ऐसी आपदाओं की संख्या और आवृत्ति में वृद्धि हुई है। हिमालय के ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और इन क्षेत्रों में (3000 मीटर से ऊपर) भारी वर्षा के कारण आसपास की ढलानें और हिमनद (ग्लेशियर) अस्थिर हो जाते हैं। हिमनद से बनी कई झीलें और फैलती हैं, जिससे खतरे बढ़ते हैं। हाल में, पृथ्वी विज्ञानियों और नीति निमार्ताओं ने लगातार गर्म दिनों और भारी वर्षा जैसी घटनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है, ताकि उनके कारणों और परिणामों को समझा जा सके। यद्यपि उच्च पर्वतीय जलवायु और भू-भाग की स्थितियों में अंतर और हिमालय में दीर्घकालिक जलवायु डेटा के सघन नेटवर्क की कमी के कारण, विज्ञानी अभी भी पूरी तरह से यह नहीं समझ पाए हैं कि ग्लोबल वार्मिंग ऐसी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति को किस प्रकार प्रभावित करती है। उत्तराखंड भारत के हिमालयी राज्यों में से एक है, जहां प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रहा है। इन आपदाओं से निचले इलाकों में रहने वाली आबादी और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचता है।

आज का विचार

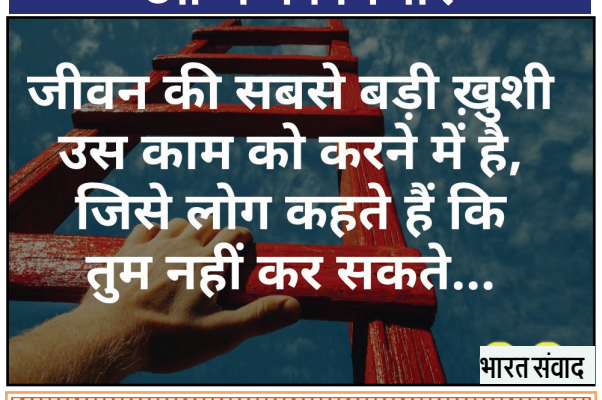

राशिफल

मेष राशि: कार्यक्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। किसी व्यक्ति के सहयोग मिलने से आपका जरूरी काम भी पूरा हो सकता है जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यस्थल पर विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। आपको कुछ मामलों में नई योजनाएं भी बनानी पड़ सकती हैं।

वृषभ राशि: आपको किसी भी काम में ज्यादा उत्साह और जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। ऐसा करने से बनता हुआ कार्य भी बिगड़ सकता है और आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कुछ आर्थिक और पारिवारिक समस्याओं के चलते भी आपकी परेशानी बढ़ सकती और तनाव का सामना भी करना होगा।

मिथुन राशि: आर्थिक मामलों में आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त हो सकता है और समाज में मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी। इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन लेन-देन के समय सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा आपका कोई काम बिगड़ सकता है।

कर्क राशि: कार्यक्षेत्र में आपको अपनी मेहनत से मनचाहा लाभ प्राप्त हो सकता है। कामकाज के सिलसिले में आपको दूर की यात्रा करनी पड़ सकती है। अगर आपके कुछ जरूरी काम अधूरे पड़े हैं, तो अब उन्हें समय पर पूरा करना जरूरी होगा अन्यथा नुकसान हो सकता है।

सिंह राशि: कारोबार के मामले में धीरे-धीरे आपके सारे काम बनते जाएंगे, जिससे मानसिक तनाव भी काफी हद तक कम होगा। व्यापार में लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे और अच्छे दिनों की शुरूआत के संयोग भी बन रहे हैं। जिससे आपके जीवन में खुशियां आएंगी।

कन्या राशि : आपको कार्यक्षेत्र में कामकाज से जुड़े कई शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और बिगड़े काम भी धीरे-धीरे बनने लगेंगे। आपको उन कार्यों पर भी ध्यान देना होगा जिनको इस समय पूरा करना महत्वपूर्ण होगा। परिवार में संतान को लेकर थोड़ा चिंतित रह सकते हैं।

तुला राशि : आपका दिन कारोबार के मामले में अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप बेहद अच्छा काम करेंगे और आसपास के लोगों पर भी गहरा प्रभाव छोड़ेंगे।

वृश्चिक राशि: कार्यक्षेत्र में मुश्किल काम आज आसानी से पूरे हो सकते हैं और लाभ कमाने के भी कई अवसर प्राप्त होंगे। इससे आपके धन में भी वृद्धि हो सकती है। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है। लेकिन किसी बात को लेकर सिर दर्द या मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है।

धनु राशि : आपको किसी वाहन या आवास से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सोच-समझकर फैसले लेना बेहतर रहेगा। व्यापार में आपको कोई शुभ संदेश प्राप्त हो सकता है, जिससे उत्साह बढ़ेगा और मित्रों का सहयोग मिलने से भी मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि: कार्यक्षेत्र में आप कामकाज के सिलसिले में नई योजनाएं भी बना सकते हैं, जिसमें मित्रों का सहयोग भी प्राप्त होगा। इससे आपके सोचे हुए कार्य पूरे हो सकते हैं और विरोधियों से भी छुटकारा मिल सकता है। आपको परिवार में किसी प्रॉपर्टी से जुड़े विवाद को सुलझाने की भी जरूरत पड़ सकती है। नौकरी करने वालों का दिन सामान्य रहने वाला है।

कुंभ राशि : आपको अपने किसी प्रोजेक्ट में सफलता प्राप्त हो सकती है या योजनाएं भी सफल हो सकती हैं, जिससे आर्थिक लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होंगे। आपको अपने मामा की ओर से भी कोई लाभ प्राप्त हो सकता है और घर में पुराने मित्र मिलने आ सकती है।

मीन राशि: आपका दिन लाभकारी रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप मधुर वाणी और व्यवहार से परिस्थिति को अनुकूल बनाए रख सकते हैं। अगर कामकाज में कोई समस्या आ रही थी तो अब वह दूर हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, विरोधी आपके काम से हैरान रह जाएंगे।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पीएम मोदी की चीन यात्रा, अविश्वास की खाई होगी कम?

चीन अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर पर भी बेजा टिप्पणियां करता रहता है लेकिन दलाई लामा पर भारत की उचित प्रतिक्रिया भी सुनने को तैयार नहीं। चीन से सावधान रहने में ही भलाई है। भारत के लिए यह तो आवश्यक है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव में आने से इन्कार करे लेकिन इसका यह अर्थ भी नहीं हो सकता कि वह चीन के साथ खड़ा हो जाए।

पा शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चीन जाने का फैसला मात्र यह नहीं बता रहा कि भारत और चीन के बीच अविश्वास की खाई कुछ पटी है। यह इसका भी साफ संकेत है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेतुकी टैरिफ नीति और भारत विरोधी रवैये का अपने तरीके से जवाब देने की तैयारी कर रखी है। इसका प्रमाण राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का तब रूस पहुंचना है, जब ट्रंप के विशेष दूत भी वहां गए हैं। ट्रंप के आगे न झुकने का स्पष्ट संदेश देना जरूरी था, क्योंकि वह अपनी हद पार कर गए हैं। वे मनमाना व्यापार समझौता करने के लिए भारत को चिढ़ाने, नीचा दिखाने और वर्षों की मेहनत से बने दोनों देशों के दोस्ताना संबंधों को ध्वस्त करने में जुटे हैं। यह अच्छा है कि भारत अपनी तरह से ट्रंप को बता रहा है कि बहुत हो चुका और अब उनकी मनमानी सहन नहीं की जाएगी। यदि अमेरिका सबसे शक्तिशाली देश है तो इसका यह मतलब नहीं कि भारत कुछभी नहीं। ट्रंप को शायद यह सीखना शेष है कि दो देशों के संबंध बराबरी के आधार पर और कुछ ले-देकर ही बनते हैं। ट्रंप तो केवल भारत से लेना ही चाहते हैं। उन्हें यह जल्दी समझ आ जाए तो अमेरिका और विश्व के लिए अच्छा कि आत्मविश्वास से भरे भारत को दबाया नहीं जा सकता। यदि भारत को अमेरिका की जरूरत है तो उसे भी हमारी आवश्यकता है। यह सही है कि अमेरिका से पीड़ित चीन भी भारत से संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन इसकी अनदेखी बिल्कुल भी नहीं की जानी चाहिए कि वह भारतीय हितों के प्रति संवेदनशील नहीं। चीन अपने हितों की पूर्ति के लिए भारत का साथ तो चाहता है, लेकिन भारतीय हितों के खिलाफ काम करने से बाज भी नहीं आ रहा है। बात चाहे पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोलने की हो अथवा आपरेशन सिंदूर के दौरान उसकी खुले-छिपे रूप से मदद करने की, भारत को उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए। बहुत दिन नहीं हुए जब एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में चीन ने बेशर्मी दिखाते हुए पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने वाले साझा बयान पर सहमति देने से इन्कार कर दिया था। इसके जवाब में भारत ने उस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। चीन अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर पर भी बेजा टिप्पणियां करता रहता है, लेकिन दलाई लामा पर भारत की उचित प्रतिक्रिया भी सुनने को तैयार नहीं। चीन से सावधान रहने में ही भलाई है। भारत के लिए यह तो आवश्यक है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव में आने से इन्कार करे, लेकिन इसका यह अर्थ भी नहीं हो सकता कि वह चीन के साथ खड़ा हो जाए। सच तो यह है कि भारत को न तो चीन पर निर्भर होना चाहिए और न ही रूस पर। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चीन जाने का फैसला मात्र यह नहीं बता रहा कि भारत और चीन के बीच अविश्वास की खाई कुछ पटी है। यह इसका भी साफ संकेत है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेतुकी टैरिफ नीति और भारत विरोधी रवैये का अपने तरीके से जवाब देने की तैयारी कर रखी है। इसका प्रमाण राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का तब रूस पहुंचना है, जब ट्रंप के विशेष दूत भी वहां गए हैं। ट्रंप के आगे न झुकने का स्पष्ट संदेश देना जरूरी था, क्योंकि वह अपनी हद पार कर गए हैं। वे मनमाना व्यापार समझौता करने के लिए भारत को चिढ़ाने, नीचा दिखाने और वर्षों की मेहनत से बने दोनों देशों के दोस्ताना संबंधों को ध्वस्त करने में जुटे हैं।

ट्रंप की धमकी बनाम राष्ट्रीय हित सर्वोपरि, भारत फर्स्ट की नीति

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर आज दुनियाँ का हर देश ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद से उनके द्वारा दिए गए विभिन्न बयानों व व्यवहार से सख़्ती में है व सोचनें के लिए मजबूर है कि, वह क्या करें? क्योंकि ट्रंप चुनावी वादों अमेरिका फर्स्ट,व मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के लिए वित्त के विभिन्न स्त्रोतों का जुगाड़ कर रहे हैं, वह भी एक नए अंदाज में, टैरिफ का दबाव बनाकर! उन देशों को अपनी शर्तों, मांगों को मानने पर विवश कर रहे हैं, यह हमने देखे कि चीन पर 145 परसेंट तो कनाडा और पूरे यूरोपीय यूनियन तक सभी देशों में टैरिफ के माध्यम से दबाव का का खेला खेलने को हम देख रहे हैं,अब 1 अगस्त से भारत पर 25 परसेंट टैरिफ की घोषणा, फिर उसे संशोधन कर 7 अगस्त तक बढ़ाया जाना, फिर आज मंगलवार 5 अगस्त 2025 को देर शाम उन्होंने कहा कि भारत रूस से तेल लेकर अप्रत्यक्ष रूप से रूस यूक्रेन युद्ध में वित्तीय फंडिंग के रूप में मदद कर रहा है,उसे रुस से तेल खरीदना बंद करना होगा। अमेरिका अगले 24 घंटे में भारत पर टेरिफ बढ़ा देगा।मैं एडवोकेट किशन सनमुख दास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं, चूँकि वह दिन अब लग गए जब भारत पर दबाव बनाकर उसके अटल इरादों को डगमगा दिया जाता था, अब भारत इतना आगे बढ़ चुका है कि वह अपनी मर्जी, अपने दम व अपनी शर्तों पर राष्ट्रहित सर्वोपरि पर काम करेगा, यानें मेक इन इंडिया व विजन 2047 को ध्यान में रखते हुए ही राष्ट्रहित में रणनीति बनाकर काम किया जाएगा। बता दें ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन व अमेरिकी फर्स्ट की नीति पर चल रहे हैं, जो उनके चुनावी वादे का एक हिस्सा है।अब भारत अमेरिका दोनों देश अपने राष्ट्र को ग्रेट बनाना चाहते हैं, जो अच्छी बात है। परंतु इसके लिए दबाव नीति रूपी अस्त्र का उपयोग करना उचित मानदंडों के खिलाफ है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे अमेरिका व यूरोपीय यूनियन द्वारा रुस पर लगाए प्रतिबंधों के बावजूद प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से ऊर्जा खरीद रहे हैं, तो भारत के साथ ऐसा प्रस्ताव क्यों? साथियों बात अगर हम ट्रंप की धमकी को ऊर्जा,राजनीति व दबाव की रणनीतिक कड़ी के रूप में देखें तो,ट्रंप की धमकी और अमेरिका का वास्तविक रुखः- डोनाल्ड ट्रंप ने 31 जुलाई और 5 अगस्त 2025 को दो बार भारत को धमकाया कि यदि रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया गया तो अमेरिका भारत पर 24 घंटे के भीतर बहुत बड़े टैरिफ लगा देगा।उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि वहःसस्ता तेल रूस से खरीदता है, उसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊँचे दामों पर बेचता है, और इस प्रकार युद्ध को फंड कर रहा है।लेकिन इस कथन में दो प्रमुख विरोधाभास हैः (1) संयुक्त राज्य अमेरिका स्वयं 2024-25 में दुनिया का सबसे बड़ा तेल निर्यातक बन चुका है। (2) अमेरिका ने यूरोप को ऊर्जा आपूर्ति के लिए बड़े समझौते किए हैं जो रूस की जगह लेने के नाम पर खुद लाभ कमा रहे हैं।भारत पर अमेरिका की तेल नीति और शुल्क धमकीः-डोनाल्ड ट्रंप ने 31 जुलाई और 4-5 अगस्त 2025 को दोहराकर स्पष्ट किया कि भारत की रूस से तेल खरीद को वह युद्ध मशीन को ईंधन देना मानते हैं, और इस वजह से भारत से आयात पर 25परसेंट से कहीं अधिक बहुत बड़ी टैरिफ वृद्धि करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत रूस से तेल खरीदकरडिस्काउंट पर और फिर उसे ओपन मार्किट में मुनाफे के लिए बेचता है,रेउटर्स और इंडिया टाइम्स सहित रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी-जून 2025 में भारत की कुल तेल खपत का लगभग 36-40 परसेंट हिस्सा रूस से आया था अमेरिका और यूरोप स्वयं कितना तेल खरीद रहे हैं?यूरोपीय संघःयूरोस्टात के आंकड़ों के अनुसार अर्ली 2025 तक ईयू ने पेट्रोलियम ऑयल आयात में मार्च-2021 की तुलना में मूल्य में प्त56 पेर्सेंट वृद्धि, मात्रा में थोड़ा प्त+0.3 पेर्सेंट बढ़ोतरी दर्ज की-हालांकि 2022 के बाद क्रमशः दोनों में गिरावट आई है।2024 में ईयू ने अमेरिका से करीब 76 बिलियन मूल्य एलएनजी, पेट्रोलियम और कोयला आयात किया-कुल यूएस ऊर्जा निर्यात $ 318?बिलियन में से ईयू का हिस्सा लगभग 24 पेर्सेंट था।यूरोप को आपूर्ति में यूएस का हिस्सा 2024 में एलएनजी में प्त44पेर्सेंट, तेल में प्त15.4पेर्सेंट था अमेरिकाः- -अमेरिका ने 2024 में रोजाना औसतन 4.1 मिलियन बैरल/दिन क्रूड ऑयल निर्यात किया – 2023 से नए रिकॉर्ड को पार करते हुए यूरोपीय देशों में सबसे ज्यादा रॉ डिलीवरी नॅदरलैंड को (लगभग 8.25 लाख ब/दिन), फिर जर्मनी, यूके आदि को हुई। उसी वर्ष भारत को अमेरिका की क्रूड ऑयल निर्यात में 32 पेर्सेंट की वृद्धि हुई- रूस से सस्ता तेल मिलने पर भी, भारत यूएस. क्रूड को भरपूर स्थान दे रहा हैः लगभग 55,000 बैरल/दिन की बढ़ोतरी। साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा भारत की रणनीतिक स्वायतःता पर प्रश्न खड़ा करने की करें तो,ट्रंप ने कहा कि अगले 24 घंटे में (5-6 अगस्त 2025 तक) भारत पर आयात टैरिफ बहुत बड़े पैमाने पर बढ़ा सकते हैं, वर्तमान में 25 पेर्सेंट के स्थान पर 50 पेर्सेंट, 100 पेर्सेंट, या उससे भी ज्यादा तक।यूएस. कांग्रेस में सैंक्शनिंग रूस एक्ट ऑफ 2025 प्रस्तावित है, जिसमें ऐसे देशों पर 500 पेर्सेंट सेकेंडरी टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है जो रूसी ऊर्जा आयात करते हैं (विशेष रूप से भारत, चीन) यह बिल लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथाल द्वारा लाया गया है और समर्थन प्राप्त कर रहा है।द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक प्रभाव यह तनाव, केवल तेल-सम्बंधित नहीं-भारत और यूएस के बीच व्यापार और विदेश नीति पर गहरा प्रभाव डाल रहा है, जिसमें कृषि और रक्षा संबंध शामिल हैं रेटिंग एजेंसीयों ने अनुमान लगाया कि रेसिपीरोकल टैरीफज से भारत को $ 7-18?बिलियन वार्षिक नुकसान हो सकता है, और जीडीपी वृद्धि रेट में मामूली गिरावट (प्त0.2पेटसेंट) आ सकती है जबकि तेल और ऊर्जा लागत में $11?बिलियन तक का इजाफा हो सकता है।लेकिन भारत की नई उद्यमशील (स्टार्टअपस) और बुनियादी व्यापारिक भरोसा अभी भी मजबूत बना हुआ है-उन्होंने भविष्य के लिए भारत में निवेश यकीनी माना है। संयुक्त दृष्टिकोणः अमेरिका और ईयू-जहाँ खुद ब्लॉक को रूसी ऊर्जा आयात से दूर करने की योजना चल रही है-वह सीमित दायरे में भारत पर ही कठोर हैं। यह विश्व राजनीति में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर प्रश्न खड़े करता है।ऊर्जा नीतिः-भारत को ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्त्रोतों से तेल प्राप्त करना महत्त्वपूर्ण है, हालाँकि यूएस. से निर्यात बढ़ना एक अवसर है लेकिन वो रूस से प्राप्त सस्ते स्त्रोत की जगह तुरंत नहीं ले सकते। राजनीतिक संतुलनः-ट्रंप प्रशासन का रुख, हालाँकि चाइना, पाकिस्तान को भी थोड़ा अलग तरीके से देखा-दिल्ली को मुश्किल चुनाव करना होगा

यूथ में बढ़ता जुनून सेल्फीः सावधान, जान की कीमत पर कतई नहीं

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

आजकल सेल्फी लेने की होड़ में लोग खासकर युवा, अक्सर अपनी जान की परवाह किए बिना खतरनाक जगहों पर जाकर तस्वीरें लेने की कोशिश करते हैं। यह प्रवृत्ति न सिर्फ खतरनाक है, बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी देती है। जिंदगी को दांव पर लगाकर महज एक सेल्फी के लिए अपनी जान जोखिम में डालना या असमय मौत को आमंत्रण देने की घटनाएं आजकल प्राय कहीं भी चाहे देश हो या विदेश यदा कदा सेल्फी के चक्कर में मौत मौत हो जाने की घटनाएं होनी आम हो चुकी है। पर्यटकों को समझना होगा कि जीवन की कीमत किसी भी मनोरंजक गतिविधि से कहीं अधिक है। प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लें, लेकिन सुरक्षा को सर्वोपरि रखें। मानसून की आहट के साथ विभिन्न प्रदेशों का प्राकृतिक सौंदर्य अपने चरम पर होता है। जलप्रपात, नदियां और नाले उफनते हुए एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करते हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर खींचते है।इस प्राकृतिक वैभव को निहारने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं, लेकिन यही आकर्षण अक्सर दुर्घटनाओं का सबब बन जाते है। हाल ही में रायपुर की एक युवती का गरियाबंद के जलप्रपात में जान गंवाना इसी दुखद कड़ी का हिस्सा है। मानसून में ऐसी खबरें आम हो जाती हैं। प्रशासन की चेतावनी को अक्सर पर्यटक नजरअंदाज कर देते हैं। तेज बहाव, फिसलन भरी चट्टानें और पानी की गहराई का गलत अनुमान दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बनता है। सेल्फी लेने की होड़ या सिर्फ रोमांच के लिए लोग खतरनाक जगहों पर चले जाते हैं, जिससे अचानक आई बाढ़ या पैर फिसलने से गंभीर परिणाम सामने आते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत करना आवश्यक है। जलप्रपातों के पास प्रशिक्षित गार्ड तैनात किए जाने चाहिए। खतरनाक क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा घेरा बनाना चाहिए। इसके साथ ही जीवन रक्षक सुविधाओं से लैस एंबुलेंस की तैनाती सुनिश्चित की जानी चाहिए। जन जागरूकता अभियान को भी तेज करने की जरूरत है। स्कूलों और कालेजों में भी इन सावधानियों पर जोर देने वाले अभियान चलाए जाने चाहिए। पर्यटकों को समझना होगा कि जीवन की कीमत किसी भी मनोरंजक गतिविधि से कहीं अधिक है। प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लें, लेकिन सुरक्षा को सर्वोपरि रखें।महज एक सेल्फी के लिए कुछ जगहें जहां लोग जान जोखिम में डालते हैं जैसे-1. ऊँची पहाड़ियां या चट्टानें जैसे कि पहाड़ की धार या खाई के किनारे।2. चलती ट्रेन के पास या ऊपर रेलवे ट्रैक या डिब्बों के पास खड़े होकर।3. समुद्र की लहरों के बीच या झरनों के पास - जहाँ फिसलने या बह जाने का खतरा हो।4. उचाई वाली इमारतों की छतों पर बिना सुरक्षा के।5. वाइल्डलाइफ या खतरनाक जानवरों के साथ जैसे शेर, हाथी या साँप के करीब जाकर।जिंदगी अनमोल हैः एक फोटो के लिए जान जोखिम में डालना समझदारी नहीं है। परिवार और समाज प्रभावित होता हैः दुर्घटनाओं से परिवारों को अपार दुख और पीड़ा झेलनी पड़ती है। अन्य युवाओं को गलत प्रेरणा मिलती हैः सोशल मीडिया पर दिखावा दूसरों को भी जोखिम उठाने के लिए उकसाता है। इसके लिए कई कार्य किया जा सकते हैं जैसे- जनजागरूकता फैलानाः स्कूलों, कॉलेजों और सोशल मीडिया पर अभियान चलाकर इस विषय पर जागरूकता। खतरनाक जगहों पर चेतावनी बोर्ड लगानाः ₹नो सेल्फी जोन₹ जैसे संकेत। परिवार और मित्रों की भूमिकाः यदि कोई व्यक्ति जोखिम भरी जगह पर सेल्फी लेने की कोशिश करे, तो उसे रोका जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारीः जोखिम भरे कंटेंट को प्रमोट न किया जाए।

बाढ़ से मोहल्ला जलमग्न, जमींदोज हुआ मकान

लोग बोले-हम अंदर थे, आवाज सुनकर भागे, बिना घर के जीवन काट रहे

भारत संवाद

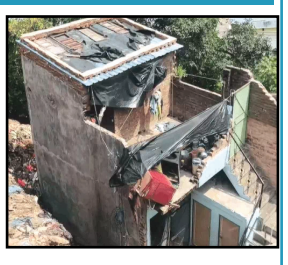

प्रयागराज, करेली इलाके के नुरुल्ला रोड स्थित सदियापुर ईडन गार्डन में बाढ़ के पानी ने एक गरीब परिवार की जिंदगी में तबाही ला दी। पिछले 20 दिनों से बगल के नाले और आसपास के इलाकों में भरे बाढ़ के पानी से गुरुवार को एक मकान अचानक जमीन में धंस गया। इस दर्दनाक हादसे में एक पूरा परिवार बेघर हो गया, हालांकि समय रहते सभी लोगों ने किसी तरह जान बचा ली। लेकिन जो कुछ भी उन्होंने सालों की मेहनत से जोड़ा था, वह पलभर में मलबे में तब्दील हो गया। शिवबरन निषाद के बेटे भूपेंद्र निषाद अपनी पत्नी रेखा निषाद और तीन बच्चों के साथ इस मकान में रहते थे। जब हादसा हुआ, तब पूरा परिवार घर के अंदर ही मौजूद था। अचानक मकान की दीवारें और फर्श हिलने लगे और देखते ही देखते पूरी इमारत धराशायी हो गई। आवाजें सुनते ही परिवार जैसे-तैसे बाहर भागा और अपनी जान बचाई, लेकिन मकान पूरी तरह पलट चुका था। रेखा निषाद, जो अब अपने उजड़े आशियाने को देखकर बेसुध हो चुकी हैं, रो-रोकर कहती हैं, पूरी जिंदगी की कमाई हमने इस घर को बनाने में लगा दी थी। अब कुछ नहीं बचा। हमारी बेटी की शादी करनी है, लेकिन अब तो खुद सिर छिपाने की जगह नहीं है। हम कहां जाएं? उनका दर्द हर उस परिवार की कहानी बयां करता है जो प्राकृतिक आपदाओं की मार से उजड़ जाते हैं। परिवार के बेट कहना है कि यह पुस्तैनी जमीन थी और उनके पिता शिवबरन निषाद ने वर्षों तक मजदूरी करके इस घर को बनाया था। हम रोज की मजदूरी करके घर चलाते हैं।

मां मैं कायर नहीं हूं कहकर युवक ने दी जान

प्रयागराज में मां बोली-बेटे का बाल पकड़कर घसीटा, फिर थाने में पुलिस से पिटवाया

भारत संवाद

प्रयागराज, युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। मरने से पहले मां से बोला-मैं कायर नहीं हूं, कभी हालत ऐसे हो जाते हैं, कुछ समझ ही नहीं आता। इसके बाद कमरे में गया, वहां पर पंखे में तौलाई लगाकर फंदा बनाया। गले में फंसाकर खड़ा हो गया। मां ने देखकर कहा कि बेटा ये क्या कर रहा है। नीचे उतर आ, वो नहीं माना, लटक गया। मां खिड़की से चीखती रही। इसके बाद सिर पकड़कर रोने लगी। बहन को फोन कर बुलाया। बहन ने पुलिस को जानकारी दी। मां का आरोप है कि मोहल्ले के लोगों ने 6 अगस्त को उसे पीटा था, इसके बाद थाने ले गए। वहां पुलिस को पैसे देकर उनसे भी पिटवाया। मैं थाने पहुंची, तब उसे छोड़ा। तब से वो परेशान था। ऐसा कदम उठा लेगा, कभी नहीं सोचा था। आरोपियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ये मामला खुल्दाबाद के करबला कस्बे का है। 9 साल पहले पिता छोड़कर चले गए करबला में राम प्रसाद वर्मा की पत्नी बिन्दु वर्मा, बेटी पूजा वर्मा व बेटा शनि उर्फ नवाब रहते हैं। 9 साल पहले उनका पति राम प्रसाद वर्मा उनको छोड़कर चले गए। तब से घर नहीं आए। बिंदु वर्मा ने बताया-मूलतः वह मध्यप्रदेश की रहने वाली हैं। लेकिन, 20 साल पहले पति के साथ यहां आकर बस गए। बच्चों का पेट पालने के लिए वो खुद प्राइवेट वर्क करती हैं। किराए के मकान में रहकर गुजर बसर पर रही हैं। बेटा शनि उर्फ नवाब प्राइवेट जॉब करता है। बेटी पूजा वर्मा करेली के एक डेंटल क्लिनिक में काम करती है। मां बोली-मेरे आने पर पुलिस ने छोड़ा मां बिंदु ने बताया-इलाके के रहने वाले काला की एक बार मेरे बेटे शनि से किसी बात बहस हो गई थी। इसके बाद से वो दुश्मनी रखता है। साहिल सोनकर, दिलावर, शुभम दिलावर मोंटी, अभिषेक, स्वयं 6 अगस्त को घर आए। ये सब काला के दोस्त हैं। शनि का बाल पकड़ कर घसीटकर ले गए। लाठी-डंडों से पीटा। इसके बाद थाने ले गए। वहां पर पुलिस से पिटवाया। जानकारी पर मैं पहुंची, तब पुलिस वालों ने छोड़ा। बहन बोली-बहुत रो रहा था भाई बहन पूजा वर्मा ने बताया-मेरे भाई को बेरहमी से मारा गया। उसके दाढ़ी और छाती के बाल नोंचे गए थे, हाथ पूरी तरह नोचा हुआ था, उंगली टेढ़ी हो गई थी। वह बार-बार कह रहा था कि मुझे बहुत पीटा गया है, दर्द हो रहा है। उन्होंने पहले भी उसे मारा था।

फास्ट ट्रैक

थाना राजगढ़ पुलिस द्वारा क्रूरता पूर्वक मारपीट कर वध हेतु ले जाए जा रहे 06 राशि गोवंश के साथ 02 तस्कर गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ व पशु तस्करों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है । उक्त निर्देश के जनपद में गो-तस्करी तथा इसमें संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध अभियान चलाकर लगातार अलग-अलग थाना क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही भी की जा रही है । इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी आपरेशन के नेतृत्व में आज दिनांकः 07.08.2025 को थाना राजगढ़ पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिरी सूचना के आधार पर थाना राजगढ़ क्षेत्रांतर्गत ग्राम सेमरा के पास से 02 नफर अभियुक्तगण 1.इस्माइल पुत्र जान मोहम्मद निवासी बहेरा थाना करमा जनपद सोनभद्र व 2. हसनैन पुत्र निसार निवासी बहेरा थाना करमा जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया । मौके से मैजिक वाहन संख्या वढ 64 अळ 7975 में क्रूरता पूर्वक मारपीट बाध कर वध हेतु ले जा रहे कुल 06 राशि गोवंशो को बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना राजगढ़ पर मु0अ0सं0-144/2025 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । तस्करी में प्रयुक्त वाहन मैजिक वाहन को 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा युवती को शादी का झासा देकर दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना को0देहात, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 25.07.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी/पीड़िता को शादी का झासा देकर दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-315/2025 धारा 351(2),69,87 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना को0देहात को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 07.08.2025 को निरीक्षक अरविन्द कुमार यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित नामजद अभियुक्त यशवर्धन पुत्र दिनेश सिंह निवासी रेहरवा नारा कस्बापुराबाजार महाराजगंज जनपद फैजाबाद को अंतर्गत धारा 351(2),69,87 बीएनएस में हिरासत में लेकर कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना जिगना पुलिस द्वारा युवती के साथ सामुहिक दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

थाना जिगना, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 22.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की पुत्री को बहला झफुसला के भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर मु0अ0सं0-220/2025 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना जिगना को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 07.08.2025 को उप निरीक्षक आत्माराम यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना जिगना क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये 02 नफर अभियुक्तगण 1. राहुल शर्मा पुत्र पंचधारी शर्मा उर्फ कल्लू शर्मा व 2. अनुराग शर्मा पुत्र प्रभात शर्मा निवासीगण खैरा थाना जिगना जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 87,70(1),351(3),127(2) बीएनएस में हिरासत में लेकर कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे एवं केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन ने अलीगढ़ स्टेशन एवं अलीगढ़ एरिया का निरीक्षण किया

भारत संवाद

आज दिनांक 07.08.2025 को महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने अलीगढ़ स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया । इस निरीक्षण के दौरान मुख्य यातायात योजना प्रबंधक, श्री राजेश कुमार; मुख्य इंजीनियर/निर्माण, श्री अजय सिंह; अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/इन्फ्रा, श्री नवीन प्रकाश; उप मुख्य यातायात प्रबन्धक, टूंडला श्री अमित आनंद एवं अन्य अधिकारी और निरीक्षक उपस्थित थे । महाप्रबंधक महोदय ने अलीगढ़ जंक्शन के निरीक्षण के दौरान नई स्टेशन बिल्डिंग, स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, स्टेशन मास्टर कार्यलय, सकुर्लेटिंग एरिया, दोनों छोर के फुट ओवर ब्रिजों का बरीके से निरीक्षण किया । निरिक्षण के बढ़ाते हुए क्रम में उन्होंने आलीगढ़-दाऊद खाँ तीसरी लाइन के चल रहे कार्य एवं आरएफओ के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की । उन्होंने कहा कि सभी कार्य मानक के अनुरूप और समय से पूर्ण होने चाहिए साथ ही निर्माण कार्यों के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका भी ध्यान रखा जाऐ इस दौरान यात्री सुविधाओं के विषय में भी जानकारी भी ली । निरीक्षण के दौरान उन्होंने पत्रकारों से भी वार्ता की । वार्ता के दौरान स्थानीय पत्रकारों ने स्टेशन एवं क्षेत्र के विकास कार्यों, गाड़ियों के ठहराव एवं नई गाड़ियों से संबन्धित प्रश्न पूछे और जनता की अपेक्षाओं के संबंध में अवगत कराया । अलीगढ़ जंक्शन के निरीक्षण के बाद महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी निरीक्षण विशेष यान से अलीगढ़ से हरदुआगंज का निरीक्षण किया । महाप्रबंधक ने तत्पश्चात हरदुआगंज में स्टेशन यार्ड, गुड्स साइडिंग, रनिंगरूम की नई बील्डिंग का अवलोकन किया । निरीक्षण के अगले क्रम में महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे ने महरावल स्टेशन का निरक्षण किया । इसी क्रम में उन्होंने अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत चयनित खुर्जा जंक्शन पर चल रहे निर्माण कार्यों का गहनता से निरिक्षण किया इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं, रनिंगरूम, अमृत भारत कें अंतर्गत बनने वाली नई बील्डिंग आदि का निरिक्षण किया । निरिक्षण के बढ़ाते हुए क्रम में महाप्रबंधक महोदय ने दादरी एवं न्यू खुर्जा (डीएफसीसी) स्टेशनों का भी निरिक्षण किया। इस दौरान खुर्जा स्टेशन के रनिंग रुम में वृक्षारोपण किया । निरीक्षण के उपरांत महाप्रबंधक महोदय ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये ।

नगर आयुक्त द्वारा बाढ़ क्षेत्रों का किया निरीक्षण

जिन स्थानों पर पानी लौटा, युद्ध स्तर पर सफाई कार्य के निर्देश

बीमारी फैलने न पाये, अतिरिक्त कर्मचारी लगाकर कारएं सफाई

भारत संवाद

प्रयागराज। गंगा व यमुना नदी का जल स्तर कम होने के साथ कई मोहल्लों में पानी ने छोड़ दिया फ्लोटिंग मैटेरियल एवं गन्दगियों को, जिसकी साफ सफाई हेतु अतिरिक्त कर्मचारियों को लगाकर युद्ध स्तर पर कार्य कराये जाने के आदेश समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को जारी किया जा चुका है। इसी क्रम में नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, श्री साई तेजा द्वारा आज दिनांक 07 अगस्त 2025 को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों नेवादा अशोक नगर, गंगानगर राजापुर, सलोरी, बख्शीबाध पम्पिंग स्टेशन का निरीक्षण किया गया। इस दौरान गलियों से 7-8 फिट पानी काफी तेजी से कम होने के उपरान्त गलियों में शिल्ट, जलकुम्भी, तथा फ्लोटिंग मैटेरियल आदि की सफाई के निर्देश सम्बन्धित जोनल अधिकारी तथा सफाई एवं खाद्य निरीक्षक को दिये गये साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि सफाई के कारण किसी भी प्रकार की बीमारियों के संक्रमण न होने पाए जिसके लिए पर्याप्त मात्रा में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव नियमित रूप से कराये जाने के निर्देश दिये गये, अवश्यकता पड़ने पर सफाई कार्यों में अतिरिक्त कर्मचारी लगाकर कार्य कराने के साथ किसी भी तरह की लापरवाही न बरते जाने तथा सम्पूर्ण बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की सर्वे ड्रोन से कराये जाने के निर्देश अपर नगर आयुक्त को दिये गये जिससे समय रहते पानी लौटने वाले क्षेत्रों में तत्काल सफाई कार्य सुनिश्चित कराया जा सके, इसे साथ ही नगर आयुक्त द्वारा बख्शी बॉध पोर्ट स्टेशन का निरीक्षण किया गया। जिसके लिए सहायक नगर आयुक्त को निरन्तर बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों नियमित कूड़ा उठाने की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये गये।सम्पूर्ण निरीक्षण के

दौरान श्री राजीव शुक्ला तथा श्री दीपेन्द्र यादव अपर नगर आयुक्त, श्री नवनीत संखवार जोनल अधिकारी जोन कटरा, सहायक नगर आयुक्त, अधिशासी अभियन्ता, सम्बन्धित सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, एवं अन्य अधिकारीगण के साथ क्षेत्रीय मा0 पार्षद भी उपस्थित हुए।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन का 04 वर्षों के लिए कुलपति नियुक्त किया गया

भारत संवाद

पावन तपोभूमि चित्रकुट के ब्लाक मऊ ग्राम कोटरा खंभा के निवासी श्रेष्ठ विद्वान प्रो. डॉ. शिवशंकर मिश्र जी को महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई श्री लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ० शिव शंकर मिश्र को मध्य प्रदेश के मा० राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन का 04 वर्षों के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है । यह संस्कृत जगत के लिए बड़ी उपलब्धि है । डॉ. संस्कृत जगत के उत्कृष्ट मनीषी हैं । आपने स्नातकोत्तर उपाधि में 05 स्वर्णपदक प्राप्त किया है तथा अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए महर्षि बादरायण व्यास सम्मान (राष्ट्रपति पुरस्कार), उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शंकर पुरस्कार, विशेष पुरस्कार, विविध पुरस्कार संस्कृत भूषण पुरस्कार, काशीविद्वद्भूषण पुरस्कार, शारदा काश्मीरपुरवासिनी पुरस्कार आदि कई पुरस्कार प्राप्त हैं । अगर शैक्षिक सेवा की बात करें तो आप 1998 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से राजकीय महाविद्यालय दुद्धी, सोनभद्र में असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्त हुए थे, इसके उपरान्त, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली आदि में आपने शैक्षिक सेवा प्रदान की है तथा राजकीय महाविद्यालय खानपुर के प्राचार्य, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय मैनपुरी के चेयरमैन एवं कई विश्वविद्यालय के विविध प्रशासनिक पदों में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं । डॉ मिश्र की 25 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हैं, साथ ही लगभग 10 पत्रिकाओं का सम्पादन भी कर रहे हैं तथा आपके 60 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हैं । आपके द्वारा लगभग 100 नेशनल इंटरनेशन सेमिनार, 80 विशिष्ट व्याख्यान आदि भी प्रदान किए जा चुके हैं ।

केंद्रीय चिकित्सालय उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के द्वारा 1 अगस्त से 7 अगस्त 2025 में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

भारत संवाद

केंद्रीय चिकित्सालय में चिकित्सा निदेशक एस के हंडू एवं सीएमएस सुरेंद्रनाथ के अध्यक्षता में विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष में अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जैसे की पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, विशेषज्ञ डॉक्टर के द्वारा भाषण एवं नुक्कड़ नाटक के द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं स्त्रियों को जागरूक किया गया विभिन्न कार्यक्रमों में डॉक्टर कल्पना मिश्रा डॉक्टर उषा यादव डॉक्टर अनुराग यादव डॉक्टर एम कुमार डॉक्टर एस के नायक एवं डॉक्टर रीना अग्रवाल का सक्रिय भागीदारी रहीविश्व स्तनपान सप्ताह के अंतिम दिन क्रिश्चियन नर्सिंग कॉलेज प्रयागराज के स्टूडेंट द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया

लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में यूपी को नई पहचान, UPSIDA की पहल से निवेशकों का बढ़ा विश्वास

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) प्रदेश के औद्योगिक ढांचे को मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है, जिससे राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर किया जा सके। इसी विजन के तहत उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPSIDA) राज्य सरकार औद्योगिक आधारभूत संरचना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेक्टर को प्राथमिकता दे रही है। राज्य सरकार द्वारा लागू उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के माध्यम से निवेशकों को निजी भूमि पर भण्डारण एवं लॉजिस्टिक्स इकाइयां स्थापित करने हेतु प्रोत्साहन, वित्तीय सहायता, टैक्स छूट और अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसी क्रम में, प्रदेश में प्राप्त लॉजिस्टिक्स परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा के लिए दिनांक 06 अगस्त 2025 को एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 5 परियोजनाओं को यूनिक आई.डी. निर्गत करने की स्वीकृति दी गई, जो कि इन परियोजनाओं के तेजी से क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम है।

5 निवेश प्रस्तावों को यूनिक आई.डी. स्वीकृति

स्वीकृत परियोजनाओं में प्रदेश के विभिन्न जिलों में लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग इकाइयों की स्थापना प्रस्तावित है। इनमें प्रमुख रूप से जिला- लखनऊ के सरोजनी नगर में मै० प्राइम शिफ्ट लॉजिस्टिक्स प्रा० लि०, जिला- गाजियाबाद के मोदीनगर में मै० इंटास फार्मास्यूटिकल्स लि० तथा मै० एस०पी० लॉजिस्टिक्स, जिला- रामपुर के बिलासपुर में मै० दिल्ली इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल प्रा० लि०, और जिला- गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा में मै० फेयर एक्सपोर्ट्स लि० द्वारा परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं। इन सभी परियोजनाओं को यूनिक आई.डी. निर्गत करने की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें संयुक्त रूप से लगभग 400 करोड़ का पूंजी निवेश प्रस्तावित है। ये परियोजनाएं प्रदेश में आधुनिक लॉजिस्टिक्स संरचना के विकास के साथ-साथ रोजगार सृजन में भी अहम भूमिका निभाएंगी।

2,556 करोड़ निवेश की 38 परियोजनाओं को मंजूरी, 523.86 एकड़ में होगा विकास

यूपीसीडा द्वारा हाल ही में पांच प्रमुख परियोजनाओं को यूनिक आईडी प्रदान किए जाने के बाद, उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति-2022 और पीआईपी नीति के अंतर्गत कुल 38 परियोजनाओं को UPSIDA द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। ये परियोजनाएं कुल 523.86 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएंगी, जिनमें लगभग ?2,556 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। इसमें से 37 परियोजनाएं वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति के तहत अनुमोदित की गई हैं, जिनके माध्यम से 483.86 एकड़ भूमि पर 2,486 करोड़ का निवेश होगा, जबकि शेष 1 परियोजना को पीआईपी नीति के अंतर्गत मंजूरी दी गई है, जिसमें 40 एकड़ भूमि पर 70 करोड़ का पूंजी निवेश प्रस्तावित है। प्रदेश सरकार की लॉजिस्टिक्स नीति का उद्देश्य राज्य को ₹लॉजिस्टिक्स हब₹ बनाना है, जिससे निवेशकों को सशक्त और आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ अनुकूल वातावरण मिले। इस नीति के तहत राज्य में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब, वेयरहाउस क्लस्टर, कोल्ड स्टोरेज चेन और वितरण केन्द्रों की स्थापना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही प्रदेश सरकार निवेशकों को आकर्षित करने और ह्यईज ऑफ डूइंग बिजनेसह्न को बढ़ावा देने के लिए लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अनेक प्रोत्साहन और सहूलियतें प्रदान कर रही है। इसके अलावा औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सरकार लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही है और निवेशकों के लिए सहज, सरल एवं सहयोगपूर्ण प्रणाली सुनिश्चित कर रही है। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री मयूर माहेश्वरी ने कहा, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए जो पहल की जा रही हैं, वे राज्य की औद्योगिक दिशा को एक नई गति दे रही हैं। बढ़रकऊअ, सरकार के इस विजन को जमीन पर उतारने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जिन पाँच परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, वे राज्य में आधुनिक लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास और रोजगार सृजन में भी अहम भूमिका निभाएंगी। ये निवेश प्रदेश के अलग-अलग जिलों में औद्योगिक संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

UPSIDA का प्रयास है कि नीति में मिले प्रोत्साहनों को निवेशकों तक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से पहुँचाया जाए। हम न केवल निवेश आकर्षित करने में बल्कि उसे मूर्त रूप देने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उत्तर प्रदेश को एक गति, सुविधा और विश्वास आधारित लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करना हमारा लक्ष्य है। आने वाले वर्षों में हम लॉजिस्टिक्स सेक्टर में और अधिक व्यापक निवेश की संभावनाएं तैयार कर रहे हैं।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती

हम सारी सीमाओं से ऊपर उठकर उत्तराखंडी बनें

उत्तराखंड के उत्तरकाशी, धराली, पौड़ी जनपद के बुरांसी और बांकुड़ा गांवों में हुई भीषण अतिवृष्टि और भूस्खलन से हुई त्रासदी पर परमार्थ निकेतन ने व्यक्त की गहरी संवेदनायें परमार्थ निकेतन में सेवा की परंपरा के अंतर्गत प्रतिदिन निराश्रितों, संतों एवं जरूरतमंदों के लिए तीनों समय मंडारे का आयोजन किया जा रहा है

भारत संवाद

ऋषिकेश। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, धराली, पौड़ी जनपद के बुरांसी और बांकुड़ा गांवों में हुई भीषण अतिवृष्टि और भूस्खलन की त्रासदी ने पूरे प्रदेश ही नही पूरे देश को शोक में डुबो दिया है। इस विनाशकारी प्राकृतिक आपदा में कई अनमोल जानें चली गईं, सैकड़ों परिवार बेघर हो गए, और कई गांवों में जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया। हर उजड़ा घर, हर टूटी हुई दीवार, और हर डबडबाई आंख यही कह रही है कि यह केवल एक भौगोलिक त्रासदी नहीं, यह हमारी सहनशीलता, हमारी सामूहिक चेतना और हमारी मानवीय संवेदनाओं की कसौटी है। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने विदेश प्रवास से भेजे अपने संदेश में इस भीषण आपदा पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड की धरती केवल हिमालय की गोद नहीं, यह संकल्पों की जन्मभूमि है। यह वह देवभूमि है जहाँ पीड़ा को भी तपस्या की तरह सहा जाता है, जहाँ टूटना नहीं आता, केवल और अधिक मजबूती से खड़े होने का संकल्प आता है। स्वामी जी ने कहा कि यह समय पीड़ितों को अकेला छोड़ देने का नहीं, उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का है। यह समय पीड़ितों व प्रभावितों के आंसू पोंछने का है। पीड़ितों के लिए हमारे दिल, द्वार और दोनों हाथ खुले है। हम सब की एकता, सेवा, सहानुभूति और समर्पण ही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्वामी जी ने कहा कि पहाड़ का दर्द भी पहाड़ की तरह ही होता है। इस समय प्रभावित क्षेत्रों में भोजन, आवश्यक दवाइयाँ, कंबल, तिरपाल, वस्त्र एवं प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की अत्यंत आवश्यकता है। केन्द्र व राज्य सरकार तथा भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी व हमारी सेनायें दिन रात मेहनत कर रही है। अब हम सब का कर्तव्य है कि हम स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय करते हुए दूरदराज और जरूरतमंद क्षेत्रों में मदद पहुंचाने में सहयोग प्रदान करें। कई ऐसे गांव, जो अभी भी संचार से कटे हुए हैं, वहां तक पहुँचने के लिए हरसंभव प्रयास करें। स्वामी जी ने देश-विदेश के सभी श्रद्धालुओं, सेवाभावी संगठनों, प्रवासी भारतीयों का आह्वान करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उत्तराखंड को आपकी आवश्यकता है। आपकी एक सहायता, चाहे वह आर्थिक हो, चिकित्सा सामग्री हो, राहत पैकेट हो, या केवल एक सच्चे हृदय से की गई प्रार्थना, वह अत्यंत मूल्यवान है। आइए, हम मिलकर उत्तराखंड को फिर खड़ा करें। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी की घड़ी में सहयोग देना केवल दान नहीं, यह हमारा मानवीय और राष्ट्रीय कर्तव्य है। राहत और पुनर्निर्माण का कार्य केवल सरकार और प्रशासन का दायित्व नहीं, हर संवेदनशील नागरिक का धर्म है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि हमारा उत्तराखंड फिर खड़ा होगा, क्योंकि इसकी आत्मा अडिग है, इसकी संस्कृति अजेय है और इसकी जड़ें हिमालय जितनी गहरी हैं। उत्तराखंड बार-बार टूटने के बाद भी बार-बार उठा है क्योंकि यहां के लोगों के पास आत्मबल है। यह धरती पीड़ा को भी पुण्य में बदलने की शक्ति रखती है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि हम सभी एक होकर, धर्म, जाति, भाषा और सीमाओं से ऊपर उठकर एक उत्तराखंडी बनें। परमार्थ निकेतन में सेवा की परंपरा के अंतर्गत प्रतिदिन निराश्रितों, संतों एवं जरूरतमंदों के लिए तीनों समय भंडारे का आयोजन किया जा रहा है.

दिव्यांग बच्चों के लिए मेडिकल असेसमेंट कैंप आयोजित

न्यूरो सर्जन की अनुपस्थिति से परेशानी

भारत संवाद

पीलीभीत। समग्र शिक्षा योजना के तहत परिषदीय विद्यालयों के दिव्यांग बच्चों के लिए गुरुवार को बीसलपुर बीआरसी पर मेडिकल असेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में चिन्हित 58 दिव्यांग बच्चों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से 16 बच्चों के प्रमाण पत्र बनाए गए। हालांकि, न्यूरो सर्जन के न पहुंचने के कारण न्यूरो से संबंधित दिव्यांग बच्चों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मजबूरन, कई बच्चे बिना प्रमाण पत्र बनवाए घर लौट गए। कैंप में ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ. संजीव सक्सेना, नेत्र सर्जन डॉ. सुरभि सिंह, साइकोलॉजिस्ट डॉ. सचिन कुमार प्रजापति, सर्जन डॉ. जुनैद के साथ-साथ स्पेशल एजुकेटर रामदास, सीताराम, राजेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, आलोक श्रीवास्तव, अजय सोनकर, अजय श्रीवास्तव, सुनील त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

शहर को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के लिए महापौर व नगर आयुक्त ने कसी कमर -स्वास्थ्य विभाग,अर्बन कंपनी व सुखमा कंपनी के साथ हुआ मंथन

महापौर का वादा-सीएम की नाराजगी व निर्देश आपदा में अवसर की भांति-जल्द होगा शहर का कायाकल्प सुधरेगी सफाई व्यवस्था

- 7 दिवसीय विशेष स्वच्छ अलीगढ़ स्वस्थ अलीगढ़ अभियान से बदलेगी शहर की सफाई व्यवस्था
- महापौर की चेतावनी शहर की सफाई में लापरवाही बरतने वालों के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में जायेगा पत्र
- सीएम की नाराजगी नहीं, यह हमारे लिए एक अवसर है महापौर व नगर आयुक्त ने संभाली कमान

डोली शर्मा संवादाता/ भारत संवाद

अलीगढ़। नगर निगम ने शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने की दिशा में कमर कस ली है। बुधवार को कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में एक महापौर प्रशांत सिंघल एवं नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने स्वास्थ्य विभाग, अर्बन एनवायरोटेक कंपनी एवं सफाई कार्यदाई संस्था सुखमा कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ गहन समीक्षा की। मीटिंग में स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नगर की साफ-सफाई, जल निकासी और सड़कों की खराब स्थिति पर जताई गई चिंता को नगर निगम एक चेतावनी के रूप में नहीं, बल्कि एक ₹आपदा में अवसर₹ के रूप में ले रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशा साफ है जनहित सर्वोपरि है। अब हमें कोताही की कोई गुंजाइश नहीं छोड़नी है। हम सभी को मिलकर अगले 7 दिनों में स्वच्छ अलीगढ़, स्वस्थ अलीगढ़अभियान को जमीन पर दिखाना है।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने दिए सख्त निर्देश समीक्षा बैठक में सभी जोनल अधिकारियों व सफाई निरीक्षकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि, मुख्य मार्गों, वार्डों, नालियों, खुले प्लॉट्स और सार्वजनिक स्थलों की सफाई विशेष प्राथमिकता पर की जाए। प्रत्येक अधिकारी आगामी एक सप्ताह तक फील्ड में सक्रिय रहेगा। मेयर ने बैठक में चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि कोई भी अधिकारी, कंपनी या कर्मचारी इस अभियान में ढिलाई बरतता है, तो उसके विरुद्ध सीधी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी।उन्होंने कहा अब समय आ गया है कि हम सब अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करें। महापौर सिंघल ने कहा इस विशेष स्वच्छता अभियान के तहत शहर के हर कोने तक पहुंच बनाई जाएगी, खाली प्लॉटों से मलबा हटेगा, सड़कें साफ होंगी, कूड़ा निस्तारण तेज होगा और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी। नगर आयुक्त ने बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि 7 दिनों की कार्ययोजना वार्डवार तैयार की जाए और दैनिक प्रगति की समीक्षा की जाए। इस दौरान किसी भी प्रकार की शिथिलता या जवाबदेही से बचना असंभव होगा। नगर आयुक्त ने कहा कि अलीगढ़ नगर निगम का उद्देश्य स्पष्ट है मुख्यमंत्री जी की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और अलीगढ़ को स्वच्छता की दिशा में एक आदर्श शहर बनाना।

फास्ट ट्रैक

सेवा भाव का अनूठा उदाहरण है प्रभु जी की रसोई : रमेश यादव

भारत संवाद

सहारनपुर । प्रभु जी की रसोई का सेवाभाव अद्वितीय है। प्रदेश में अपने आप मे अनोखी इस रसोई के द्वारा अब तक लाखों निसहाय व जरूरत लोगों को निःशुल्क भोजन कराया जाना सराहनीय कार्य है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उक्त विचार आज यहां लोक कल्याण समिति एवं नगर निगम के तत्वावधान में संचालित प्रभु जी की रसोई में वरिष्ठ पत्रकार रमेश यादव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गंगा की धारा अविरल रूप में सभी का कल्याण करती है, उसी प्रकार प्रभु जी की रसोई अविरल रूप से मानव सेवा कर रही है, जो कि सेवा भाव का अनूठा उदाहरण है।लोक कल्याण समिति के सचिव एवं प्रभु जी की रसोई के संचालक शीतल टण्डन ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रभु जी की रसोई का प्रारंभ 9 अगस्त 2017 को किया गया था जो कि पिछले आठ वर्षों से लगातार जारी है और अब तक लगभग 13 लाख से अधिक जरूरतमंदों, निसहाय लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करा चुकी है और यह प्रयास निरंतर अविरल जारी रहेगा। श्री टण्डन ने बताया कि लॉकडाउन अवधि में तो प्रभु जी की रसोई द्वारा प्रतिदिन हजारों लोगों को भोजन वितरित किया। रसोई प्रतिदिन संचालित हो रही है और उत्तम क्वालिटी का भोजन शुद्धता के साथ तैयार कराकर वितरित किया जाता है। श्री टण्डन ने बताया कि प्रभु जी की रसोई के सेवा कार्य से प्रभावित होकर अपनी वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मदिन आदि मनाने के लिए आते हैं और भोजन वितरित कर सेवा करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि रोटरी क्लब, व्यापारी, समाजसेवी एवं अन्य संगठनों द्वारा भी पूर्ण सहयोग किया जाता है और सेवा भाव से प्रभु जी की रसोई में आकर सहयोग प्रदान किया जाता है। इस अवसर पर श्री यादव को तिरंगा, वस्त्र, पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया तथा उनके दीघार्यु की कामना की गयी।

समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास के लिए सपा प्रतिबद्ध: एमएलसी

भारत संवाद

सहारनपुर। प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और समाजवादी विचारधारा ही प्रदेश को विकास की दिशा में ले जा सकती है। समाजवादी पार्टी समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उक्त बातें बुधवार को माधव नगर स्थित पीडीए की बैठक में मुख्य अतिथि एमएलसी किरण पाल कश्यप ने कहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और समाजवादी विचारधारा ही प्रदेश को विकास की दिशा में ले जा सकती है। सहारनपुर देहात सपा विधायक आशू मलिक ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार दलित, पिछड़ों और वंचितों के खिलाफ है। जबसे भाजपा सत्ता में आई लगातार दलित समाज पर अत्याचार अन्याय की घटना बढ़ गई है। दलितों को सरकारी योजनाओं से वंचित किया जा रहा है। भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश की भोली भाली व मासूम जनता से झूठे वादे कर गुमराह कर रही है। सरकार ने गरीब कमजोर दलित पिछड़ों के लिए सरकारी स्कूलों को बंद करके गरीबों को शिक्षा से दूर कर दिया है। भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश में हजारों स्कूलों को बंद कर रही है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सपा जिलाध्यक्ष चैधरी अब्दुल वाहिद ने कहा कि पीडीए के पदाधिकारी बूथ-बूथ पर जाकर दलित वंचित लोगों को समाजवादी पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे। कार्यक्रम का संचालन पीडीए संयोजक राजवीर सिंह यादव ने किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया जी की विचारधारा और नेताजी के संघर्ष को पीडीए समाज के अंतिम पंक्ति को आगे बढ़ाने का काम संगठन के सभी पदाधिकारीयों को मजबूती से करना है। बैठक में विनोद तेजवान, जब्बार, चंद्रपाल यादव, सहीराम, अनिल प्रभात शर्मा, फूल सिंह, गंगाराम, अरुण कुमार, अच्छन यादव, सुमन लता, कमल सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

बिजली की समस्यायों को लेकर दक्षिणांचल वितरण खण्ड आगरा (MD) का होगा घेराव

भाकियू भानु की बैठक में रणनीति की तैयार

भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) kobछोड़ भा कि यू भानू हुऐ विलय

प्रवीन कुमार शर्मा संवाददाता/ भारत संवाद

अलीगढ। गभाना क्षेत्र के निजी होटल पर भाकियू भानु की बैठक आयोजित हुई बैठक मे किसानों की समस्यायों एवं उनके निस्तारण पर विचार विमर्श किया गया युवा जिलाध्यक्ष अलीगढ़ कृष्णा ठाकुर ने बताया कि अलीगढ जिले में इस समय किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली की आपूर्ति नही की जा रही है जबकि सरकार के सिंचाई के लिए 10 घंटे के आदेश है किसानों की धान, बाजरा, आदि की फसलें सूखने की कगार पर पहुंच चुकी है, किसान परेशान हैं किसानों को सोसायटियों पर खाद नहीं मिल पा रहा है प्रदेश अध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह के नेतृत्व एमडी दक्षिणांचल विद्युत वितरण खण्ड आगरा का घेराव किया जायेगा एमडी से जिले में विद्युत कटौती, गांवों मे लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर , जेई एवं एसडीओ किसानों की समस्यायों को प्रमुखता से नही लेते उनकी शिकायत करते हुये कार्यवाही करायी जायेगी , प्रदेश मीडिया प्रभारी सुमित ठाकुर ने कहा कि सरकार के आदेश अनुसार ट्रांसफार्मर फुंक जाने पर 24 घंटे मे बदले जाने का आदेश है लेकिन जिम्मेदार आंखें बंद कर बैठे हैं अधिकारी 15 दिनों तक किसानों पर चक्कर लगवाते ट्रांसफार्मर नहीं बदलते , इस दौरान कृष्णा ठाकुर ने भाकियू चढूनी संगठन से इस्तीफा दे भाकियू भानु में आये विशाल शर्मा उर्फ रामू पंडित को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ठाकुर भानु प्रताप सिंह के आदेश अनुसार प्रदेश सचिव, ठा. योगेन्द्र सिंह पार्षद जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, देवराज सिंह जिला महासचिव, राम सिंह जिला संगठन मंत्री, भीष्म सिंह जिला उपाध्यक्ष को प्रशस्त पत्र देकर मनोनीत किया , प्रवीन शर्मा, डॉ. सुमित सिंह, डॉ. हेमंत सिंह, राजकुमार सिंह, आदि उपस्थित रहे ।

जनमंच के बजाए महाड़ी अमृत सरोवर पर होगा छड़ी पूजन

मेला व्यवस्थाओं पर महापौर व नगरायुक्त ने की अधिकारियों के साथ बैठक

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा मेले से पूर्व प्रत्येक वर्ष कराया जाने वाला छड़ी पूजन इस वर्ष 6 सितंबर की शाम को जनमंच के स्थान पर महाड़ी परिसर स्थित नवनिर्मित अमृत सरोवर पर किया जायेगा। इसके अतिरिक्त महाड़ी मेला तथा मेला गुघाल में सफाई कार्य निगम के सफाई कर्मियों से न कराकर निजी व्यवस्था के तहत करायी जायेगी। दोनों मेलों की सीसीटीवी व वाच टावर से निगरानी की जायेगी, और इसके लिए भी ठेका छोड़ा जायेगा। उक्त व्यवस्थाओं के सम्बंध में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। महापौर डॉ. अजय कुमार की अध्यक्षता में नगर निगम में मेले की व्यवस्थाओं के सम्बंध में आयोजित बैठक में अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मेला महाड़ी व मेला गुघाल में सफाई व्यवस्था निजी ठेकेदार द्वारा करायी जायेगी। इसके संबंध में टेण्डर आमंत्रित किया जायेगा। निर्णय लिया गया कि 150 सफाई कर्मी लगाये जायेंगे, जो आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में कार्य करेंगे। प्रत्येक 15 सफाई कर्मियों पर एक सुपरवाइजर तैनात होगा। जो अपनी देखरेख में सफाई कार्य सुचारु रुप से करायेगा। बैठक में तय किया गया कि मेला महाड़ी व मेला गुघाल के लिए टेण्डर आमंत्रित करते हुए पिछले साल की स्वीकृत ठेका धनराशि को ही बेस रेट रखा जायेगा। मेले में 40 दुकानों को आरक्षित रखा जायेगा। नगरायुक्त ने पथ प्रकाश प्रभारी को फैंसी लाइट व श्रेष्ठ प्रकाश व्यवस्था की तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। निर्माण विभाग को भी जनमंच में छत की मरम्मत व एलईडी आदि की व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा गया ताकि जनमंच में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में कोई परेशानी न हो। मेले से सम्बंधित कार्यक्रमों के एलईडी के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। बैठक में महापौर व नगरायुक्त के अतिरिक्त अपर नगरायुक्त प्रथम प्रदीप कुमार यादव, मुख्य नगर लेखा परीक्षक सच्चिदानंद त्रिपाठी, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, अधिशासी अभियंता वी बी सिंह, लेखाधिकारी मनोज त्रिपाठी, नगर स्वास्थय अधिकारी प्रवीण शाह, अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा व मानचित्रकार अरविंद अरोड़ा के अलावा मेला चेयरमैन पार्षद नीरज शर्मा शामिल रहे।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम का 13 से 15 अगस्त तक होगा आयोजन

भारत संवाद

- डीएम ने विभागीय अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी:
- ध्वज संहिता का पालन करते हुए पूर्ण सम्मान के साथ फहराएं तिरंगा

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर सभी विभागों की जिम्मेदारी तय की गई है। स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर 13 से 15 अगस्त के बीच हर-घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में 08 लाख तिरंगा फहराए जाएंगे।जिले में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम की सफलता के लिए डीएम ने कहा कि इसमें सभी विभागों की भूमिका अहम होगी। डीएम ने निर्देशित किया कि हर-घर तिरंगा आयोजन में सभी विभाग भागीदारी निभाएंगे। सीडीओ की अगुवाई में कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी सभी विभागों के अधिकारियों को सौंपी गई है।इस दौरान जिले भर में 08 लाख झंडा फहराने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें नगर निगम, निकायों से लेकर ग्राम पंचायतों तक को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को अपने घर और शासकीय व व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। डीएम ने कहा कि तहसील स्तरपर एसडीएम एवं ब्लॉक स्तर पर बीडीओ नोडल अधिकारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास झण्डा रखा है और वह सुरक्षित है तो उसका प्रयोग कर सकता है। एनआरएलएम और डूडा को समूहों के माध्यम से झण्डों का निर्माण कराना है, जिसमें एनआरएलएम को 5.50 लाख और डूडा को 1.61 लाख झण्डे तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। शासन द्वारा झण्डा तैयार करने के सम्बन्ध में जारी एसओपी के माध्यम से बताया गया है कि झण्डे का आकार आयताकार होना चाहिए, लम्बाई एवं चौड़ाई में 3 अनुपात 2 होना चाहिए। झण्डा बनाने के लिए खादी, हाथ एवं मशीन से बने हुए सूती, पॉलिस्टर, ऊनी, सिल्क कपड़े का प्रयोग किया जा सकता है। झण्डे के तीन रंगों में सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे हरे रंग के प्रयोग के साथ ही सफेद पट्टी में 24 तीलियों वाले अशोक चक्र को बाद में प्रिंट किया जाना अनिवार्य किया गया है। अभियान की महत्ता को समझते हुए सभी शासकीय कार्यालयों में खादी का झण्डा स्थापित किया जाए और कार्यक्रम के उपरान्त पूर्ण सम्मान के साथ झण्डे को उतारकर सुरक्षित रखा जाना सुनिश्चित किया जाए।

बाढ कन्ट्रोल रूम नम्बर 8267029340 पर कॉल कर जानकारी दें

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा दिए गये निदेर्शों के क्रम में उप जिलाधिकारी सदर सुबोध कुमार ने बताया कि लगातार हो रही बरसात के कारण ढमोला नदी का जल स्तर बढ जाने के कारण पंजाबी बाग कालोनी एवं साकेत कालोनी में पानी भरने की सूचना पर उन्होने तत्काल रात्रि में ही मौके पर पंहुचकर जल भराव की स्थिति का जायजा लिया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना 17/2025 दिनांक 04.08.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, उ.म.रे., प्रयागराज** निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	ई.एम.डी.	निविदा खुलने की तिथि
19256970	सेफ्टी फुटवियर	12864 नम्बर	₹1,77,210/-	02.09.2025

नोटः- 1. उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित/फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिए। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://www.ncr.indinrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1396/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना 18/2025 दिनांक 06.08.2025

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, उ.म.रे., प्रयागराज** निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

विवरणः सीएनसी टर्निंग लेथ मशीन की आपूर्ति, स्थापना परीक्षण, कमीशनिंग और प्रमाणित परीक्षण (टर्न-की आधार पर) विनिर्देश संख्या एनसीआर-ईएलएस-सीएनबी/सीएनसी-वीटीएल/2024 के अनुसार सीएनसी वर्टिकल।

निविदा संख्या	मात्रा	ई.एम.डी.	निविदा खुलने की तिथि
19256651	01 नग	₹4,95,040/-	10.09.2025

नोटः- 1. उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित/फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिए। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://www.ncr.indinrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1404/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

रक्षाबंधन व जन्माष्टमी पर्व पर त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रक्षाबंधन व जन्माष्टमी पर्व पर निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैं :-

02417/02418 प्रयागराज-दिल्ली सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक)

गाड़ी सं. 02417 प्रयागराज-दिल्ली			गाड़ी सं. 02418 दिल्ली-प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	21:35	प्रयागराज	19:40	–
22:45	22:47	फतेहपुर	17:18	17:20
00:15	00:20	गोविंदपुरी	16:00	16:05
02:00	02:02	इटावा	13:50	13:52
03:33	03:35	टूण्डला	12:43	12:45
04:45	04:47	अलीगढ़	11:35	11:37
08:55	---	दिल्ली	----	09:30

- **गाड़ी सं. 02417: प्रयागराज** से प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक 08.08.25 से 15.08.25
- **गाड़ी सं. 02418: दिल्ली** से प्रत्येक शनिवार, दिनांक 09.08.25 से 16.08.25
- **गाड़ी संरचनाः** वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, स्लीपर श्रेणी-05, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी-01, सामान्य श्रेणी-04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी-04

02421/02422 प्रयागराज-दिल्ली सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक)

गाड़ी सं. 02421 प्रयागराज-दिल्ली			गाड़ी सं. 02422 दिल्ली-प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	21:35	प्रयागराज	19:40	–
22:45	22:47	फतेहपुर	17:18	17:20
00:15	00:20	गोविंदपुरी	16:00	16:05
02:00	02:02	इटावा	13:50	13:52
03:33	03:35	टूण्डला	12:43	12:45
04:45	04:47	अलीगढ़	11:35	11:37
08:55	---	दिल्ली	----	09:30

- **गाड़ी सं. 02421: प्रयागराज** से दिनांक 09.08.25 से 16.08.25
- **गाड़ी सं. 02422: दिल्ली** से दिनांक 10.08.25 से 17.08.25
- **गाड़ी संरचनाः** सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी-04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1419/25(D)

उत्तर मध्य रेलवे

No. GSU-II-PRYJ-04-2025 दिनाँक : 06.08.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता-II/जी.एस.यू./प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं (द्वारा खुली निविदा-एकल पैकेट प्रणाली)। बोली लगाने वाले अपने मूल/संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते है। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा संख्या : DYCE-II-GSU-PRYJ-04-2025 **अनुमानित लागत** : 64.66 लाख

कार्य का विवरण : उत्तर मध्य रेलवे के अन्तर्गत प्रयागराज मंडल के (1) छिवकी-करछना तीसरी लाइन, (2) बोड़ाकी-दनकौर के बीच एमएमटीएच के लिए आरओआर (3) इटावा-इकदिल-न्यू इकदिल (4) भीमसेन-न्यू भीमसेन वाई कनेक्शन (5) इटावा-उदी मोड (6) टूण्डला-न्यू टूण्डला के बीच विभिन्न कनेक्टिविटी के लिए 31.40 किमी के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण और डीपीआर बनाने का कार्य

धरोहर धनराशि : 1,29,300/- **निविदा फार्म का मूल्य** : 0.00

खुलने की तिथि : 29.08.2025 15:00 Hrs. **कार्य समापन अवधि** : 05 महीने

नोटः 1- उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) https://www.ireps.gov.in पर निर्धारित तिथि तक 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2- उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी । इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3- निविदा की दरे केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4- संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5- किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1406/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

पदक जीतकर लौटे खिलाडी कृष्णा शर्मा व राघव मिड्ढा का हुआ भव्य स्वागत

भारत संवाद

सहारनपुर। साउथ कोरिया में आयोजित हुई एशियन कुराश चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर लौटे सहारनपुर के होनहार खिलाड़ी कृष्णा शर्मा व राघव मिड्ढा का सहारनपुर आने पर भव्य स्वागत किया गया। जिला कुराश एसोसिएशन सहारनपुर के सचिव एवं कोच मोहित शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि एशियन कुराश चैम्पियनशिप का आयोजन 31 जुलाई से 05 अगस्त 2025 तक साउथ कोरिया में किया गया। जिसमें सहारनपुर के कुराश खिलाड़ी कृष्णा शर्मा ने 42 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक व 50 किग्रा भार वर्ग में राघव मिड्ढा ने कांस्य पदक जीतकर अपने देश का नाम रोशन कर दिया। एशियन कुराश चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर लौटे कृष्णा शर्मा व राघव मिड्ढा का डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम मे आयोजित स्वागत कार्यक्रम में भव्य स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम मे नगर विधायक राजीव गुम्बर, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश जैन, क्रीडाधिकारी राहुल चोपडा, व्यापारी नेता आशु निरंकारी एवं नरेश धीमान, समाजसेवी रविन्द्र कुमार शर्मा, रविकांत धीमान आदि ने कृष्णा शर्मा व राघव मिड्ढा का स्वागत करते हुए जीत के लिए शुभकामनाएं दी।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं:

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं:

हज़रतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाज़ार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागज़ी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेजिडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता - कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम

आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा जरूर आज़माना चाहिए - यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मांडू पर्यटनः प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1.जहाज़ महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज़ की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2.हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3.रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4.बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5.जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6.रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा: इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन: इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

ट्रम्प के सलाहकार बोले- भारत टैरिफ महाराजा

वे अमेरिकी सामानों पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगा रहे; ट्रम्प की भारत पर सेकेंडरी सैंक्शंस की धमकी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले का बचाव किया। उन्होंने भारत को टैरिफ का महाराजा करार देते हुए कहा कि भारत अमेरिकी सामानों पर दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ और नॉन-टैरिफ बाधाएं लगाता है, जिससे अमेरिकी प्रोडक्ट्स को भारतीय मार्केट में एंट्री करने में मुश्किल होती है। ट्रम्प ने भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लागू करने को लेकर पूछे गए सवाल पर यह जवाब दिया। ट्रम्प से पूछा गया था कि अमेरिका ने भारत पर ही क्यों सख्ती की, जबकि चीन जैसे और देश भी रूस से तेल खरीद रहे हैं। भारत पर अब कुल अमेरिकी टैरिफ 50% हो गया है। ट्रम्प ने बुधवार को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर 25% टैरिफ बढ़ा दिया। बढ़ा हुआ टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। आज से भारत पर 25% टैरिफ लागू हो गया है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत

पर यह एक्शन लिया गया है। नवारो ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा- भारत अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल रूसी तेल खरीदने के लिए करता है। फिर रूस उन डॉलर का इस्तेमाल हथियार बनाने में करता है, जिनसे यूक्रेन में लोग मारे जा रहे हैं। इसके बाद अमेरिकी टैक्सपेयर्स को यूक्रेन की रक्षा के लिए हथियारों पर खर्च करना पड़ता है। यह गणित ठीक नहीं है। चीन पर समान कार्रवाई न करने के सवाल पर नवारो ने कहा कि चीन पर पहले से ही 50% से ज्यादा टैरिफ हैं। हम ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहते जिससे हमें नुकसान हो। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई को गलत बताया है। ये वो प्रतिबंध होते हैं जो किसी देश पर सीधे नहीं, बल्कि किसी तीसरे देश से उसके व्यापारिक रिश्तों के चलते लगाए जाते हैं। यानी अमेरिका सीधे भारत को टारगेट न करके, उन कंपनियों और बैंकों पर सख्ती कर सकता है जो रूस से तेल खरीद में शामिल हैं। भारत ने रूस-यूक्रेन जंग के बावजूद रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना जारी रखा है। अमेरिका लंबे समय से भारत पर इस फैसले को लेकर दबाव बना रहा है। हालांकि भारत हमेशा कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा जरूरतें उसके राष्ट्रीय हित से जुड़ी हैं। भारत सरकार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके से रूस से तेल आयात कर रही है। ऐसे में अमेरिका में दाखिल होने वाले भारत के सामानों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लागू होगा। हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इस टैरिफ से छूट भी दी जाएगी जैसे कि यदि कोई सामान पहले ही समुद्र में लद चुका है और रास्ते में है, या यदि वह कुछ खास तारीख से पहले अमेरिका में पहुंच चुका है। इससे पहले मार्च 2022 में अमेरिका ने एक आदेश जारी कर रूसी तेल और उससे जुड़े उत्पादों के अपने देश में आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। अब ट्रम्प प्रशासन ने यह पाया कि भारत उस रूसी तेल को खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है।

इस वजह से अब अमेरिका ने भारत पर यह नया टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को भारत पर 24 घंटे के भीतर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था कि भारत, रूस के साथ व्यापार करके यूक्रेन के खिलाफ रूसी वॉर मशीन को ईंधन देने का काम कर रहा है। इस वजह से अमेरिका को सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

पुतिन इस साल के आखिर में भारत आएंगे

रूस से तेल खरीदने को वजह बताकर ही ट्रम्प ने भारत पर टैरिफ लगाया

एजेंसी

मॉस्को/नई दिल्ली, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल के आखिरी हफ्ते में भारत दौरे पर आ सकते हैं। रूसी न्यूज एजेंसी तास के मुताबिक, यह जानकारी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने दी है। डोभाल ने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मुलाकात में कहा, ₹अब हमारे बहुत अच्छे रिश्ते बन गए हैं, जिनकी हम कदर करते हैं। हमारे देशों के बीच एक मजबूत साझेदारी है और हम हाई लेवल पर बातचीत करते हैं।₹ भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल बुधवार को रूस

पहुंचे। उनकी राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी मुलाकात हो सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद डोभाल की यह पहली मॉस्को यात्रा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से रूस के साथ भारत के संबंधों पर की गई टिप्पणियों की वजह से ये यात्रा काफी अहम मानी जा रही है। ट्रम्प ने रूस से तेल खरीदने को वजह बताकर ही भारत पर पहले 25% फिर 50% टैरिफ लगाया है। आखिरी बार 2021 में भारत आए थे पुतिन राष्ट्रपति पुतिन ने 06 दिसंबर 2021 को भारत की यात्रा की थी। तब वे सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें मिलिट्री और तकनीकी समझौते शामिल थे। दोनों देशों ने 2025 तक 30 अरब डॉलर (2 लाख 53 हजार करोड़ रुपए) सालाना ट्रेड का टारगेट रखा था। फरवरी 2022 में यूक्रेन वॉर शुरू होने के बाद यह पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। इस विजिट से दोनों देशों के बीच 2030 के लिए नए आर्थिक रोडमैप को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। भारत और रूस अपने बाइलैटरल ट्रेड को दोगुना करके सालाना 100 अरब डॉलर से ज्यादा करने पर सहमत हुए हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच करीब 60 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है। पीएम मोदी ने साल 2024 में दो बार रूस की यात्रा की थी। वे बीआरआईसीएसईसी समिट के लिए 22 अक्टूबर को रूस गए थे। इससे पहले जुलाई में भी मोदी ने दो दिन का रूस दौरा किया था। तब उन्होंने पुतिन को भारत आने का न्योता दिया था।

पाक आर्मी चीफ मुनीर इस हफ्ते अमेरिका जाएंगे

दो महीने में दूसरा वॉशिंगटन दौरा; राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात संभव

एजेंसी

पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर इस हफ्ते अमेरिका के दौरे पर जाएंगे। वह सेंटकॉम (सेंट्रल कमांड) के नए प्रमुख की नियुक्ति समारोह में शामिल होंगे। यह दो महीने में उनकी अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले वे 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल हुए थे। इसके अलावा मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ व्हाइट हाउस में दो घंटे की लंच मीटिंग की थी। यह बैठक बंद कमरे में हुई थी। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की। मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया था। साथ ही ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। पाकिस्तान ने अमेरिका के सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला को देश के सबसे बड़े सैन्य सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से नवाजा है। यह सम्मान पिछले महीने इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दिया गया। जनरल कुरिल्ला को यह सम्मान क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने और पाकिस्तान-अमेरिका सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया। जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी और सेना प्रमुख असीम मुनीर से मुलाकातें कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सम्मान के जरिए पाकिस्तान, अमेरिका के लिए अपनी वफादारी जाहिर कर रहा है। आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर संभालेंगे। ट्रम्प ने मुनीर के साथ डिनर डिप्लोमेसी के तहत क्रिप्टो डील को फाइनल की है। पाक क्रिप्टो काउंसिल ने पाकिस्तान के 17,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो बिजनेस का ट्रम्प परिवार के दबदबे वाली वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल से करार किया है। पाक सरकार ने क्रिप्टो बिजनेस के अनुकूल नीतियों में बदलाव भी शुरू कर दिए हैं।

भारत से संघर्ष के बाद आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया गया

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर को पिछले मई में प्रमोट करके फील्ड मार्शल बनाया गया है। फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च पद है। मुनीर का ये प्रमोशन भारत के खिलाफ ऑपरेशन बुनयान-उम-मार्सूस के दौरान आर्मी को लीड करने की वजह से किया गया। इससे पहले 1959 में अयूब खान ने पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन करने के बाद खुद को पहला फील्ड मार्शल घोषित किया था।

अमेरिका में जॉर्जिया राज्य के मिलिट्री बेस पर हमला

हमलावर ने 5 सैनिकों को गोली मारी; हमले वाली जगह सीज की गई

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में फोर्ट स्टीवर्ट मिलिट्री बेस पर बुधवार को एक हमलावर ने गोलीबारी की, जिससे पांच सैनिक घायल हो गए। हमले के बाद मिलिट्री बेस के कुछ हिस्सों को सीज कर दिया गया। भारतीय समयानुसार बुधवार रात 8:26 बजे इस हमले खबर मिली। सभी घायल सैनिकों का तुरंत मौके पर इलाज किया गया और बाद में उन्हें आगे के इलाज के लिए विन आर्मी कम्युनिटी हॉस्पिटल ले

जाया गया। हमलावर को पकड़ लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में मुताबिक, वह भी सैनिक है। राष्ट्रपति ट्रम्प को भी हमले के बारे में जानकारी दी गई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने पर लिखा कि सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। जॉर्जिया में तीन स्कूलों में भी लॉकडाउन लगा दिया गया है। मेडिकल हेलिकॉप्टर घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। फोर्ट स्टीवर्ट बेस ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा- आज 2ल्ला आर्मर्ड ब्रिगेड कॉम्बैट टीम इलाके में हुई गोलीबारी में पांच सैनिक घायल हो गए। सभी सैनिकों का मौके पर इलाज किया गया और फिर उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प ने पर लिखा- हम लगातार अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। हम पीड़ितों, उनके परिवारों और देश की सेवा करने वालों के लिए प्रार्थना करते हैं।₹ गोलीबारी की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फोर्ट स्टीवर्ट मिलिट्री बेस अमेरिका का एक प्रमुख सैन्य अड्डा है, जो जॉर्जिया राज्य के हाइन्सविल और सवाना के पास मौजूद है। यह 280000 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी स्थापना 1940 में सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान हुई थी। इसे शुरू में कैंप स्टीवर्ट कहा जाता था। बाद में एक अमेरिकी वॉर हीरो डैनियल स्टीवर्ट के नाम पर इसे फोर्ट स्टीवर्ट नाम दिया गया। यहां सैनिकों को मिलिट्री ट्रैनिंग दी जाती है। इसकी थर्ड इन्फैंट्री डिवीजन ने 2003 में इराक पर हमले में खास रोल निभाया था।

'अर्थव्यवस्था आईसीयू में है'

ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर अभिषेक बनर्जी का बयान

एजेंसी

कोलकाताः अमेरिका ने भारतीय प्रोडक्ट पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिस पर तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है. गुरुवार को कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए, उन्होंने इस मुद्दे पर बीजेपी नेतृत्व की भूमिका पर सवाल उठाए.उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा स्थिति अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति और कूटनीतिक विफलताओं का परिणाम है. बनर्जी ने बिना किसी का नाम लिए कहा, यह सवाल उनसे पूछे जाने चाहिए जिनकी डोनाल्ड ट्रंप के साथ तस्वीरें हैं, जो लोग टेक्सास गए, ट्रंप के लिए प्रचार किया और जिनके लिए डोनाल्ड ट्रंप भारत आए, उन्हें जवाब देना चाहिए. उन्होंने कहा, भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है. इस शुल्क का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा. इससे विशेष रूप से तीन क्षेत्रों सूचना एवं प्रौद्योगिकी, कपड़ा और उनसे संबंधित समग्र वस्तुओं और सेवाओं पर असर पड़ेगा. साथ ही रोजगार पर भी इसका प्रभाव होगा.

अभिषेक बनर्जी ने ट्रंप द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद कूटनीतिक और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति की विफलताओं को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की.

'यह एक कूटनीतिक विफलता है'

टीएमसी महासचिव ने कहा, यह एक कूटनीतिक विफलता है. सरकार को इसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए. भारत को इससे सख़्ती से निपटना चाहिए, जो लोग भारत पर दबाव बनाना चाहते हैं, वे भारत को नीचा दिखाना चाहते हैं. उन्होंने आगे कहा, अचानक 56 इंच के सीने का दावा करने वाली सरकार, सत्ता में होने के बावजूद, आज विभिन्न देशों के रक्तपात का सामना कर रही है.'ट्रंप के लिए प्रचार किया'पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए अभिषेक ने कहा, मैं एक विदेशी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में पांच देशों में गया हूं, लेकिन अभी कई देशों में से किसी ने भी पहलगाम की घटना की निंदा नहीं की है. हालांकि, जिन्होंने ट्रंप के लिए प्रचार किया और जिनके साथ ट्रंप ने कोरोना से ठीक पहले निकटता दिखाई, वे लोग सबसे अच्छे तरीके से बता सकते हैं कि अमेरिका ने यह टैरिफ क्यों लगाया.ट्रंप ने खुद कहा, भारत की अर्थव्यवस्था मर चुकी है. मैं इससे असहमत हूं, मैं कहूंगा कि अर्थव्यवस्था अब कउव में है. अभिषेक बनर्जी का कटाक्ष, जो लोग लगातार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को बहाल करने की बात करते हैं

'बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकती ईडी, हमें चिंता है...'

ईडी की तरफ से एएसजी एसवी राजू ने कहा कि पीएमएलए मामलों में दोषसिद्धी दर कम इसलिए है क्योंकि अमीर और ताकतवर लोग अच्छेवकील करते हैं, कई याचिकाएं दाखिल करते हैं और ट्रायल नहीं चलने देते हैं .

एजेंसी की शक्तियों को लेकर उठे सवाल तो बोला सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय किसी बदमाश की तरह काम नहीं कर सकता है, उसको कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा. कोर्ट ने ईडी की छवि को लेकर चिंता जताई और कहा कि कानून लागू करने वाले और कानून का उल्लंघन करने वाले निकायों में अंतर होता है. बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुईयां और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच जुलाई, 2022 के सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. इस फैसले में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत ईडी की व्यापक शक्तियों की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया था.बेंच ने ईडी की छवि को लेकर चिंता जताते हुए कहा, 'हमने क्या देखा कि, जो संसद में एक मंत्री के बयान से भी सच साबित हो गया कि पांच हजार मामलों में से 10 से भी कम केस में दोषसिद्धि हुई.' हालांकि, इस दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने ईडी का बचाव किया और कोर्ट को बताया कि ये अंतर क्यों है. उन्होंने कहा कि पीएमएलए मामलों में दोषसिद्धी दर कम इसलिए है क्योंकि अमीर और ताकतवर लोग अच्छे वकीलों को हायर करते हैं और कई याचिकाएं दाखिल करते हैं. वे ट्रायल कोर्ट में मुकदमा भी नहीं चलने देते और उनमें देरी करते हैं.एएसजी राजू ने सुप्रीम कोर्ट से समीक्षा याचिकाओं पर विचार नहीं करने का अनुरोध करते हुए कहा कि अगर इन्हें अनुमति दी जाती है तो उस मामले के आदेश को फिर से लिखना होगा, जिसको इन्होंने चुनौती दी है और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती है. उन्होंने कहा कि समीक्षा याचिकाकताओं ने 2022 के फैसले की समीक्षा को आधार नहीं बनाया है.एएसजी राजू ने कहा कि याचिकाकताओं ने एक चांस लिया, लेकिन वे फेल हो गए और अब वे यह कह रहे हैं कि फैसला गलत था और उसकी समीक्षा की जानी चाहिए. एएसजी राजू ने कहा कि इस तरह समीक्षा नहीं की जा सकती है, पहले उन्हें यह साबित करना होगा कि इन दो मुद्दों को लेकर रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से त्रुटि है. उन्होंने कहा कि याचिकाकताओं को समीक्षा के लिए मजबूत आधार बनाना होगा.

पटना के डाक बंगला चौराहे पर पुलिस ने एसटीईटी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया

सुरक्षाकर्मियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, उन्होंने सड़कें खाली करने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लाठीचार्ज में कई लोग घायल हो गए, जिसे अधिकारियों ने नकार दिया।

एजेंसी

बिहार पुलिस ने गुरुवार को पटना में माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) परीक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया, जिसमें कई छात्र घायल हो गए। एसटीईटी परीक्षा आयोजित करने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में छात्र जेपी गोलंबर पर जमा हुए थे।बृहस्पतिवार को यहां डाक बंगला चौराहे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुलिस ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-5) से पहले माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) आयोजित करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस अधीक्षक, पटना (मध्य), दीक्षा ने पीटीआई-भाषा को बताया, प्रदर्शनकारी डाक बंगला चौराहे के पास जमा हो गए और यातायात को बाधित कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को लांघने की कोशिश भी की।सुरक्षाकर्मियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, उन्होंने सड़कें खाली करने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लाठीचार्ज में कई लोग घायल हो गए, जिसे अधिकारियों ने नकार दिया।

क्या मोदी जी अपना 56 इंच का सीना तब दिखाएंगे जब ट्रंप 56% टैरिफ लगाएँगे?

ओवैसी का पीएम पर तंज

एक्स पर एक पोस्ट में, असदुद्दीन ओवैसी ने लिखा कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है, जिससे यह 50 प्रतिशत हो गया है, क्योंकि हमने रूस से तेल खरीदा था। यह कूटनीति नहीं, बल्कि प्रमुख विदूषक की धौंस है, जो स्पष्ट रूप से यह नहीं समझते कि वैश्विक व्यापार कैसे काम करता है।

एजेंसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की आलोचना की और इसे प्रमुख विदूषक की धौंस बताया। ओवैसी ने यह भी कहा कि यह टैरिफ, जो कुल टैरिफ को 50 प्रतिशत तक बढ़ा देता है, भारतीय निर्यातकों, छोटे व्यवसायों और नौकरियों को नुकसान पहुँचाएगा। एक्स पर एक पोस्ट में, असदुद्दीन ओवैसी ने लिखा कि ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है, जिससे यह 50 प्रतिशत हो गया है, क्योंकि हमने रूस से तेल खरीदा था। यह कूटनीति नहीं, बल्कि प्रमुख विदूषक की धौंस है, जो स्पष्ट रूप से यह नहीं समझते कि वैश्विक व्यापार कैसे काम करता है।

ओवैसी ने यह भी सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं। ओवैसी ने सरकार पर अपने धनी मित्रों को लाभ पहुँचाने के लिए भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता को त्यागने का आरोप लगाया। पोस्ट में लिखा है कि ये टैरिफ भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई और निमार्ताओं को नुकसान पहुँचाएँगे। यह आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करेगा, एफडीआई को रोकेगा और नौकरियों को बुरी तरह प्रभावित करेगा। लेकिन नरेंद्र मोदी परवाह क्यों करेंगे? अब वे भाजपाई बाहुबली कहाँ हैं? पिछली बार मैंने पूछा था कि क्या मोदी जी अपना 56 इंच का सीना तब दिखाएँगे जब ट्रम्प 56% टैरिफ लगाएँगे। ट्रम्प 50% पर रुक गए। शायद वह हमारे गैर-जैविक प्रधानमंत्री से डर गए हैं? क्या अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बेचना आपके दोस्तों के अरबपतियों के खजाने को भरने के लायक था? शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने भी केंद्र सरकार की अस्पष्ट विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने बताया कि भारत को चीन का बहिष्कार करने के लिए कहा गया था, फिर भी सरकार ने आधिकारिक यात्राओं और व्यापार की अनुमति दी।